वार्षिक रिपोर्ट
2002-03

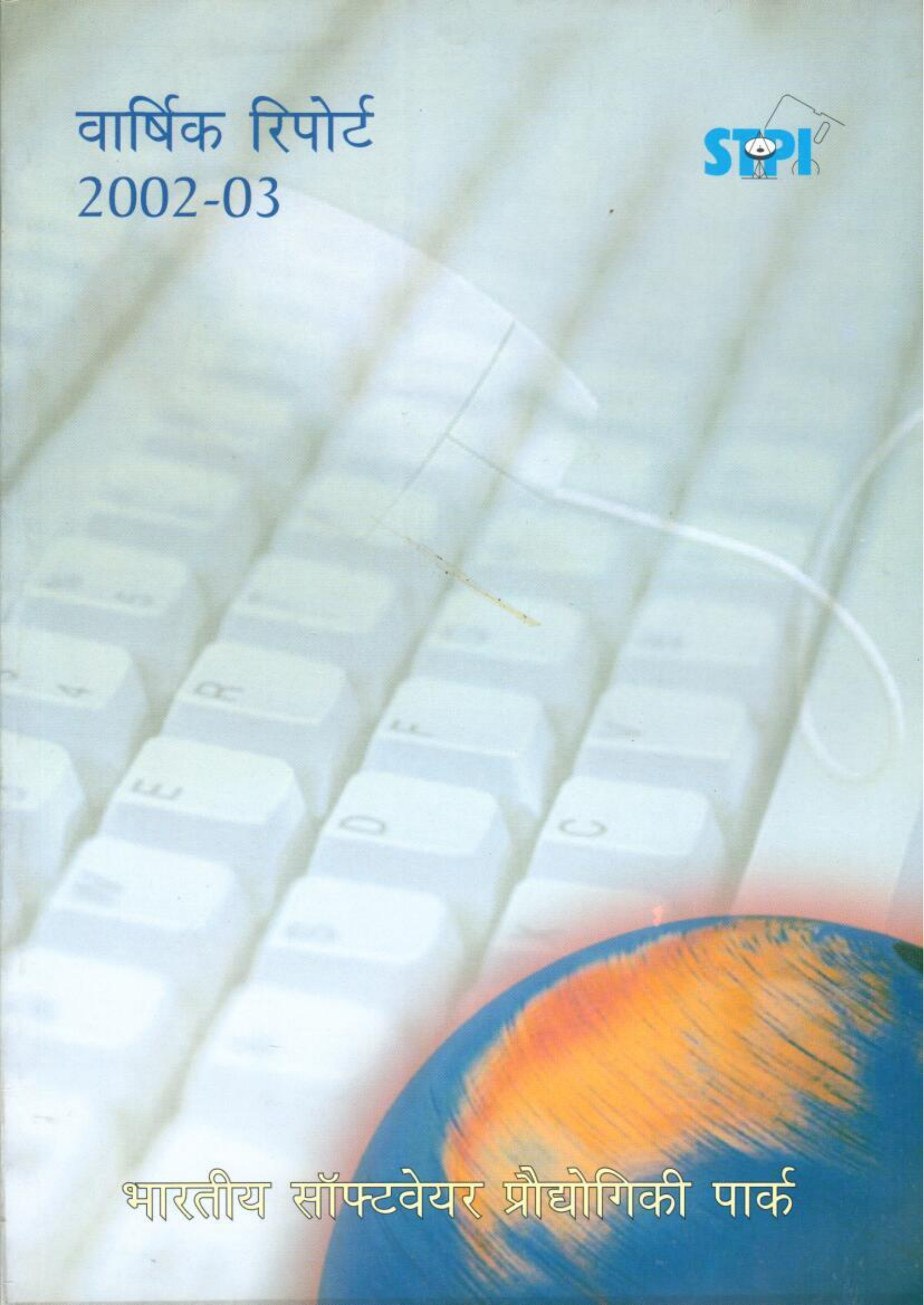

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क

विषय सूची

1.	शासकीय परिषद	01
2.	आम सभा	02
3.	एस.टी.पी.आई. - एक अवलोकन	03
4.	एस.टी.पी.आई की प्रबन्धकीय संरचना	04
5.	एस.टी.पी. योजना और मुख्य अंश	05
6.	एस.टी.पी.आई. पंजीकृत इकाइयों का प्रदर्शन	06
	एस.टी.पी. इकाइयाँ	06
	निर्यात	07
7.	उच्च गति डाटा कम्यूनिकेशन सेवायें	09
	सॉफ्ट प्वाईन्ट	09
	सॉफ्ट लिंक	09
	अन्तर्राष्ट्रीय फाइबर क्षमता	09
	एक्सेस नेटवर्क/लास्ट माइल कनेक्टिविटी (लोकल लूप)	10
	आई.एस.डी.एन लाइनों के प्रयोग से लीज्ड इन्टरनेट एक्सेस	10
	अन्य मूल्य संवर्धित सेवायें	10
	सहयोग सुविधायें	10
8.	आपदा क्षतिपूर्ति सेवायें	11
9.	एस.टी.पी.आई के नये केन्द्र	11
10.	कन्सल्टेन्सी परियोजनायें	12
	खजाने नेट	12
	यूरोपस्टार	12
	पैनामसैट	12
	आईपीस्टार	13
11.	विपणन एवं व्यावसाय वृद्धि	14
	बंगलोर आई.टी. कॉम 2002	14
	राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस, लखनऊ	14
	कन्वर्जेन्स इण्डिया, नई दिल्ली	14
	सुपरकॉम एशिया, नई दिल्ली	14
	टाई अप कॉलिंग 2002, कानपुर	14
12.	एस.टी.पी.आई. की अन्तर्राष्ट्रीय परियोजना	15
13.	लेखा विवरण	16

शासकीय परिषद*

चेयरमैन

श्री अरुण शौरी, केन्द्रीय विनिवेश एवं संचार तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

वाइस चेयरमैन

श्री के. के. जायसवाल, सचिव, सूचना तकनीकी विभाग, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय।

सदस्यगण

श्री एस. लक्ष्मीनारायणन, अपर सचिव, सूचना प्रौद्यगिकी विभाग, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय।

श्री निरंजन पंत, संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय।

श्री पंकज अग्रवाल, संयुक्त सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय।

श्री पी.के. मित्तल, उप महानिदेशक (बी एस), दूर संचार विभाग, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय।

श्री एम.वी.पी.सी. शास्त्री, संयुक्त सचिव, वाणिज्य मंत्रालय।

श्री कमलेश डेका, निदेशक, कोऑर्डिनेशन पुलिस वायरलेस निदेशालय, गृह मंत्रालय।

श्री बी.वी. वान्चू, संयुक्त निदेशक, इन्टेलिजेन्स ब्यूरो, गृह मंत्रालय।

श्री नलिन कोहली, वाइस चेयरमैन, इलेक्ट्रानिक एंव कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर एक्सपोर्ट प्रोमोशन काउन्सिल (इ.एस.सी.)।

श्री किरण कार्णिक, प्रेसीडेन्ट, नेशनल एसोशिएसन ऑफ सॉफ्टवेयर एण्ड सर्विस कम्पनीज (नैस्कॉम)।

श्री पुरोषोत्तम भागेरिया, निदेशक, फिलाटेक्स इण्डिया लिमिटेड, नई दिल्ली।

श्री अर्जुन डी. राव, सी ई ओ, एप्पलैब्स (इण्डिया), हैदराबाद।

सदस्य सचिव

श्री एस.एन. जिन्दल, महानिदेशक, सॉफ्टवेयर टैक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इण्डिया।

* 31 अक्टूबर 2003 के अनुसार

आम सभा*

चेयरमैन

श्री अरुण शौरी, केन्द्रीय विनिवेश और संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री।

वाइस चेयरमैन

श्री के. के. जायसवाल, सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय।

सदस्यगण

श्री एस. लक्ष्मीनारायणन, अपर सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय।

श्री निरंजन पंत, संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय।

श्री पंकज अग्रवाल, संयुक्त सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय।

श्री ए.के. प्रसाद, निदेशक (कस्टम), केन्द्रीय आबकारी एवं सीमाशुल्क बोर्ड, राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय।

श्री एम.वी.पी.सी. शास्त्री, संयुक्त सचिव, वाणिज्य मंत्रालय।

श्री कमलेश डेका, निदेशक, कोऑर्डिनेशन पुलिस वायरलेस निदेशालय, गृह मंत्रालय।

श्री बी.वी. वान्चू, संयुक्त सचिव, इन्टेलिजेन्स ब्यूरो, गृह मंत्रालय।

सदस्य सचिव

श्री एस.एन. जिन्दल, महानिदेशक, सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इण्डिया।

*31 अक्टूबर 2003 के अनुसार

एस.टी.पी.आई. - एक अवलोकन

प्रत्येक कार्य क्षेत्र में कम्प्यूटर के समावेश ने सूचना प्रौद्योगिकी को पूरे विश्व में उन्नति और उत्पादकता का पर्याय बना दिया है, और भारत भी इसका अपवाद नहीं है। एक उद्योग के रूप में सूचना प्रौद्योगिकी आज विश्व का सबसे बड़ा, तीव्र गति से बढ़ता हुआ और सर्वाधिक लाभार्जन वाला उद्योग है। इसने पूरे विश्व के कार्य वातावरण और व्यवसायिक ढांचे में क्रान्तिकारी परिवर्तन लाकर अपने लिए एक खास स्थान बना लिया है। आज सूचना प्रौद्योगिकी में निवेश करना किसी दूसरे क्षेत्र में निवेश करने से बेहतर है क्योंकि यहाँ पैसे जुड़ते नहीं, कई गुणा होते हैं। सूचना प्रौद्योगिकी आज मानव जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है। विश्व का कोई भी देश इसके बिना आगे नहीं बढ़ सकता है। इसे देखते हुए भारत सरकार ने 1986 में एक नीति बनाई जिसके अन्तर्गत् ''सॉफ्टवेयर निर्यात, सॉफ्टवेयर विकास एवं प्रशिक्षण'' को प्रोत्साहित कर इसे एक महत्वपूर्ण क्षेत्र का दर्जा दिया। तत्पश्चात् सॉफ्टवेयर उद्योग को और बेहतर बनाने के लिए गठित हुआ - ''सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क'' जिसमें साफ्टवेयर के निर्यात पर विशेष ध्यान दिया गया। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए एक विशेष कार्य प्रणाली की संरचना की गयी जिसमें निम्नलिखित बातों पर बल दिया गया :-

- कार्य करने के तरीकों का सरलीकरण/ तर्क संगत बनाना।
- उद्योग को एक ही स्थान पर समस्त सेवायें उपलब्ध कराना।
- निर्यात के लिए आवश्यक बुनियादी वस्तुओं को प्रौद्योगिकी उपलब्ध कराना ।
- स्वनिर्मित आधारभूत सुविधाएँ जैसे कि अभिकल्पन संसाधन और आंकड़ा सुविधाओं की सस्ती दर पर साझेदारी।

इसका ढांचा सॉफ्टवेयर निर्यात उद्योग और खासकर स्मॉल एण्ड मीडियम एन्टरप्राइजेज (एस.एम.आई.) को ध्यान में रखकर तैयार किया गया था ताकि यह देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के साथ ही विश्व बाज़ार में भारत की सफलता के परचम लहराएँ। सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स की स्थापना कई मॉड डाटा कम्यूनिकेशन (एच.एस.डी.सी.) सहित आधारभूत ढांचा उपलब्ध कराकर सॉफ्टवेयर निर्यात में वृद्धि हेतु एस.टी.पी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए हुई।

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स की स्थापना और पंजीकरण 6 जून 1991 को भारत सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अन्तर्गत् सोसायटी रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1860 के तहत् एक स्वतंत्र सोसायटी के रूप में हुआ। इसने डाटा कम्यूनिकेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर सुविधा और अन्य सेवाओं जैसे प्रौद्योगिकी आकलन और सॉफ्टवेयर निर्यातकों के व्यावसायिक प्रशिक्षण की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ली।

एस.टी.पी.आई की प्रबन्धकीय संरचना

गवर्निंग काउंसिल

गवर्निंग काउंसिल (जी सी) एस.टी.पी.आई. की सर्वोपरि प्रबन्धकीय संस्था है जो एस.टी.पी.आई. की कार्य प्रणाली पर पैनी नज़र रखते हुए उसे दिशा निर्देश देती है। गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन भारत सरकार के संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री होते हैं। वाइस चेयरमैन का पद भारत सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव के पास होता है। गवर्निंग काउंसिल के अन्य सदस्य वित्त मंत्रालय, गृह मंत्रालय, दूर संचार विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, वाणिज्य मंत्रलय और सूचना तकनीक उद्योग से जुड़े हुए लोग हैं।

महानिदेशक

महानिदेशक प्रबन्धन और गवर्निंग काउंसिल के दिशा निर्देशों के अनुसार एस.टी.पी.आई. के प्रबंध और संचालन के लिए उत्तरदायी है। इसके लिए उनके पास आवश्यक अधिकार और शक्ति होती है।

निदेशकों की अधिशासी कमेटी (ई.सी.ओ.डी)

निदेशकों की अधिशासी कमेटी में चुने हुए केन्द्रों के एस.टी.पी.आई. निदेशक होते हैं। गवर्निंग काउंसिल ने ई.सी.ओ.डी को साझा मुद्दों, कार्य प्रणाली, योजनाओं और कार्य प्रदर्शन समीक्षा से जुड़े विषयों पर विशेष अधिकार दिए हैं।

स्थानीय कार्यकारी बोर्ड

एस.टी.पी.आई. केन्द्रों के प्रबन्धन के लिए स्थानीय स्तर पर कमेटियों का गठन किया गया है जिन्हें हम ''स्थानीय कार्यकरी बोर्ड'' के नाम से जानते हैं। ये स्थानीय स्तर पर प्रबन्धन देखते हैं और गवर्निंग काउंसिल के द्वारा दिए गए अधिकारों के दायरे में काम करते हैं।

निदेशक

एस.टी.पी.आई. केन्द्र का मुखिया निदेशक होता है जो कि तकनीकी और प्रबन्धन दोनो पक्षों का मुखिया होता है। निदेशक प्रतिदिन के कार्यों और केन्द्र के प्रबन्धन के लिए जिम्मेदार होता है।

एस.टी.पी. योजना और मुख्य अंश

एस.टी.पी. योजना विशेषरूप से कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर के विकास और निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए तैयार की गयी है जो कि पूर्णतया एक गुणवत्ता आधारित निर्यातोन्मुखी योजना है। इसमें संचार कड़ियों और मीडिया के प्रयोग द्वारा व्यावसायिक सेवाओं के निर्यात को भी बढ़ावा दिया जायेगा। यह योजना कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर पर केन्द्रित है और सरकार की 100% निर्यातोन्मुखी इकाइयों, निर्यात प्रसंस्करण क्षेत्रों और विज्ञान पार्क/ प्रौद्योगिकी पार्क की अभिकल्पना को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर प्रदान करती है।

"एस.टी.पी. योजना एक अनोखी योजना है जो सदस्य केन्द्रों को एक ही स्थान पर सभी सेवायें मुहैया कराती है, उन्हें अन्तर्राष्ट्रीय स्तर और वैश्विक मानकों के अनुसार निर्यात व्यवसाय में सक्षम बनाती है।"

एस.टी.पी. योजना के मुख्य अंश

- एक ही स्थान पर निपटान आधार पर अनुमोदन।
- 100% तक विदेशी अंशधारिता की अनुमति।
- एस.टी.पी. इकाइयों द्वारा आयतित/ घरेलू बाज़ार से प्राप्त सामान पूर्णतया शुल्क मुक्त।
- प्रयोग किया हुआ प्रमुख सामान भी आयात किया जा सकता है।
- घरेलू बाज़ार में निर्यात किए गए सामान का 50% तक तक बेचने की अनुमति।
- आयकर अधिनियम की धारा 10 ए/10बी के अन्तर्गत् आयकर लाभ।

एस.टी.पी.आई पंजीकृत इकाइयों का प्रदर्शन

एस.टी.पी. इकाइयाँ

एस.टी.पी.आई योजना के अन्तर्गत् वर्ष 2002-03 के दौरान 554 नई इकाइयों का पंजीकरण किया गया। 31 मार्च 2003 को लगभग 4644 इकाइयाँ प्रचालन में थीं, जिनमें से 3544 इकाइयाँ वास्तव में निर्यात कर रही थीं। शेष इकाइयाँ अवस्थापन के विभिन्न चरणों में हैं। प्रचालन और निर्यात करने वाली इकाइयों की संख्या में विगत् 3 वर्षों में वृद्धि इस प्रकार है :-

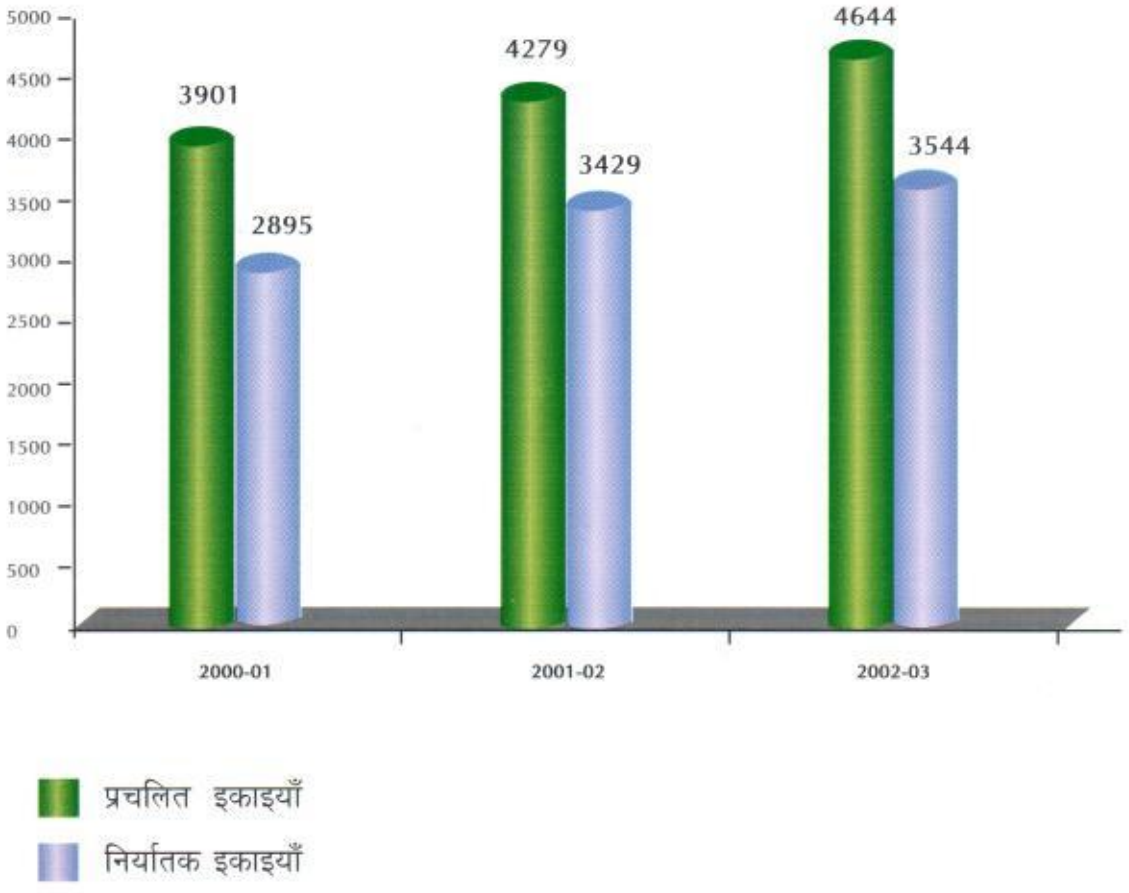

एस.टी.पी.आई

पंजीकृत इकाइयों का प्रदर्शन

निर्यात

एस.टी.पी.आई. इकाइयों के माध्यम से सॉफ्टवेयर निर्यात गत् वर्ष के रु. 29,523 करोड़ से 26% बढ़कर 2002-03 में रु. 37,176 करोड़ हो गया है। राष्ट्रीय परिदृश्य में, एस.टी.पी.आई इकाइयाँ 80% निर्यात के लिए उत्तरदायी हैं; अर्थात् रु. 46,100 करोड़ के राष्ट्रीय आंकड़े के मुकाबले एस.टी.पी.आई इकाइयों का सहयोग रु. 36,176 करोड़ है।

विगत् तीन वर्षों में एस.टी.पी.आई के माध्यम से पंजीकृत इकाइयों द्वारा राज्यवार सॉफ्टवेयर निर्यात इस प्रकार है :-

(रु. करोड़ में)

क्र.सं.	राज्य का नाम	2000-01	2001-02	2002-03
1	कर्नाटक	7475	9904	12350
2	तमिलनाडु	2954	5014	6305
3	महाराष्ट्र	2570	4603	5508
4	आन्ध्र प्रदेश	2017	2805	3668
5	हरियाणा	1450	2140	2734
6	उत्तर प्रदेश	1660	2000	2541
7	दिल्ली	1100	1750	2065
8	पश्चिम बंगाल	250	604	1200
9	उड़ीसा	200	213	260
10	केरल	141	159	165
11	मध्य प्रदेश	50	88	107
12	गुजरात	102	122	105
13	पंजाब	50	70	70
14	राजस्थान	30	45	47
15	चंडीगढ़	-	-	31
16	पाण्डिचेरी	2	6	15
17	हिमाचल प्रदेश	-	-	3
18	उत्तरांचल	-	-	0.5
19	जम्मू एवं कश्मीर	-	-	0.4
	कुल	20,051	29,523	37,176

एस.टी.पी.आई

पंजीकृत इकाइयों का प्रदर्शन

पंजीकृत इकाइयों द्वारा एस.टी.पी.आई केन्द्रवार निर्यात इस प्रकार है :-

एस.टी.पी.आई. पंजीकृत इकाइयों द्वारा निर्यात (रु. करोड़ में)

एस.टी.पी.आई केन्द्र	2000-01	2001-02	2002-03
बंगलौर	7475	9904	12350
भुवनेश्वर	200	213	260
कोलकाता	250	604	1200
चेन्नई	2956	5020	6320
गाँधीनगर	102	122	105
हैदराबाद	1990	2805	3668
नई मुम्बई	1610	2603	2708
नोएडा	4420	6093	7600
पुणे	960	2000	2800
तिरूअनंतपुरम	88	159	165
कुल	**20051**	**29523**	**37176**

उच्च गति डाटा कम्यूनिकेशन सेवायें

एस.टी.पी.आई की सॉफ्टवेयर निर्यात क्षेत्र को एक महत्वपूर्ण देन है हाई स्पीड डाटा कम्यूनिकेशन (एच.एस.डी.सी) सेवायें। सॉफ्टवेयर निर्यातकों को एस.टी.पी.आई द्वारा विकसित सॉफ्टनेट, अत्याधुनिक एच.एस.डी.सी नेटवर्क अन्तर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धात्मक दरों पर उपलब्ध हैं। अपने स्थापना वर्ष 2002-03 से ही सॉफ्टवेयर उद्योग को एच. एस.डी.सी लिंक उपलब्ध कराने के लिए 39 स्थानों पर स्वयं का अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र स्थापित करने पर एस.टी.पी.आई को गर्व है।

लोकल लूप के लिए एस.टी.पी.आई केन्द्रों में अन्तर्राष्ट्रीय केन्द्र की स्थानीय पहुँच प्वाइन्ट-टू-प्वाइन्ट और प्वाइन्ट-टू-मल्टी प्वाइन्ट माइक्रोवेव रेडियो द्वारा प्रदान की जायेगी जो कि अपनी अन्तिम समस्या से उबर गया है और एस.टी.पी.आई को लगभग 99.9% अप टाईम के अवलम्बन में सक्षम बनाता है। जहाँ सम्भव हो जमीनी तारों (फाइबर/कॉपर) का भी प्रयोग किया जा रहा है। यह दूर संचार सुविधायें वाह्य सॉफ्टवेयर क्रिया कलापों में सफलता की प्रतीक हैं।

एस.टी.पी.आई. का कार्य सम्बन्ध विश्व के प्रमुख दूर संचार प्रचालकों से है जैसे एटी. एण्ड टी., एम.सी.आई, स्प्रिंट, इन्टेल सैट, न्यू स्काईज सैटेलाइट, ब्रिटिश टेलेकॉम इत्यादि।

एस.टी.पी.आई इस नेटवर्क द्वारा निम्नलिखित एच.एस.डी.सी. सेवायें प्रदान करता है :-

64 के.बी.पी.एस. से 8 एम.बी.पी.एस. (सॉफ्ट प्वाईन्ट) की बैण्डविड्थ में इन्टरनेशनल प्राईवेट लीज्ड सर्किट्स (आई.पी.एल. सी)।

- भागीदारी आधारित इन्टरनेट सेवायें।
- वेब होस्टिंग सेवायें।
- अन्य मूल्य संवर्धित सेवायें।

सॉफ्ट प्वाईन्ट

सॉफ्ट प्वाईन्ट सेवा "इन्टरनेशनल प्राईवेट लीज्ड सर्किट" का प्रावधान है। आई.पी.सी.एल. अन्तर्राष्ट्रीय दूर संचार के लिए उपलब्ध डिजिटल सर्किट हैं जो डाटा संप्रेषण संचार इत्यादि के लिए प्रयोग होते हैं। उपभोक्ताओं के लिए खास और सुरक्षित आई.पी. सी.एल उन कम्पनियों के लिए आदर्श हैं जो बड़ी मात्र में अन्तर्राष्ट्रीय डाटा सम्प्रेषित करते हैं। यह आपके व्यावसयिक साझेदारों को कार्य कुशल विश्वसनीय और सुरक्षित प्वाईन्ट-टू-प्वाईन्ट कनेक्शन दुनिया के किसी भी हिस्से में 24 घंटे प्रदान करता है- डाटा सम्प्रेषण गति का विस्तृत क्षेत्र आपकी सेवाओं की आवश्यकतानुसार विस्तार की सुविधा प्रदान करता है। सेवाओं का आमंत्रण उपग्रह और फाइबर पर भी दिया गया है। सम्प्रति, एस.टी. पी.आई. उत्तरी अमेरिका, यूरोप और एशिया प्रशांत क्षेत्र को कवर करने के लिए इन्टेलसैट, न्यू स्काईज सैटेलाइट, ए.पी.एस.टी.आर इत्यादि की सेवाओं का उपयोग कर रही है। सैटेलाइट यूरोप में डाउनलिंक किया जाता है और वहाँ से यह फाइबर लिंक द्वारा उत्तरी अमेरीका और यूरोप के सभी क्षेत्रों में पहुँचाता है।

सॉफ्ट लिंक

आज इंटरनेट सभी देशों के लिए संचार का प्रमुख माध्यम बन गया है। वेब से जुड़ने के इच्छुक लोगों की संख्या में भारी वृद्धि हुई है। सॉफ्टवेयर निर्यातको के लिए उच्च गुणवत्ता युक्त इन्टरनेट सम्पर्क आवश्यक हो चुका है।

सॉफ्टलिंक साझा और प्रीमियम आधारित इन्टरनेट प्रदान करने वाली सेवा है। इस सेवा की शुरुआत उद्योग में बेहतर गुणवत्ता और प्रतिबद्धता की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए की गयी थी। आज सॉफ्टलिंक सेवाओं के पास बड़ी संख्या में ग्राहक मौजूद हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय फाइबर क्षमता

एस.टी.पी.आई. सैटेलाइट सेवाओं के प्रयोग द्वारा अपने ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता सेवा प्रदान कर पहले ही अपनी एक बेमिसाल पहचान बना चुकी है। एस.टी.पी.आई. ने देश भर में 39 सैटेलाइट

उच्च गति डाटा कम्यूनिकेशन सेवायें

केन्द्र बनाये हैं और इस समय करीब 250 एम.बी.पी.एस बैण्डविड्थ को संभाल रहा है। ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए, अभियान अनुप्रयोग के लिए, यह आवश्यक है कि अधिक विश्वसनीय और कम संप्रेषण रूकावट की बैण्डविड्थ प्रदान की जाये। सैटेलाइट ट्रांसमिशन की अपेक्षा फाइबर ऑप्टिक्स में संप्रेषण रूकावट काफी कम होती है। अतः उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने और नये व्यवसाय अर्जित करने के लिए एस.टी.पी.आई के लिए यह आवश्यक है कि वह फाइबर आधारित सेवायें उपलब्ध करायें।

फाइबर उपभोक्ताओं की मांग को पूरा करने के लिए एस.टी.पी. आई. ने डी.एस 3 (45 एम.पी.बी.एस) क्षमता की धरेलू और अन्तर्राष्ट्रीय बैण्डविड्थ हासिल की है। इसके साथ एस.टी.पी.आई. फाइबर पर इन्टरनेट प्राईवेट लीज्ड सर्किट (आई.पी.एल.सी) और आई.पी प्रदान करने में सक्षम है।

एस.टी.पी.आई. आकर्षक दरों पर भारतीय और अमेरिकी ग्राहकों के बीच पूर्णतया फाइबर पर पूर्ण सर्किट आधारित आई.पी.एल.सी. की पेशकश करता है। जैसा कि यह ग्राहकों को एक ही स्थान पर निदान उपलब्ध कराता है, यह एक बिन्दु सम्बन्ध और आसान सम्बन्ध की सुविधा प्रदान करता है जब पारम्परिक बाइलेटरल सेवाओं से इसकी तुलना की जाती है तब इसकी सेवायें लागू करनी तेज है। बैण्डविड्थ nx64.के.बी.पी.एस. या nxई1 के गुणक में प्रदान की जाती है।

विश्वसनीयता के रूप में ग्राहकों को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए, एस.टी.पी.आई. ने इंटरनेट बैकबोन के लिए अमेरिका की टायर-1 सर्विस प्रोवाइडर से गठबंधन किया है। वह ग्राहक जो एस. टी.पी.आई. की इंटरनेट सेवा का उपयोग कर रहे हैं, एस.टी.पी. आई. के इंटरनेट गेटवे द्वारा अमेरिका में टायर-1 सर्विस प्रोवाइडर के बैकबोन से जोड़ दिये जायेंगे। बैण्डविड्थ nx64 के.बी.पी.एस या nxई1 के गुणक में प्रदान किए गए हैं।

एक्सेस नेटवर्क/लास्ट माइल कनेक्टिविटी (लोकल लूप)

नब्बे के दशक के प्रारम्भ में सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग के उद्भव के साथ बैण्डविड्थ की मांग में उछाल आया। अन्तर्राष्ट्रीय बैण्डविड्थ उपलब्ध था, परन्तु लास्ट माईकल कनेक्टिविटी की कमी थी। इस कमी को पूरा करने के लिए, एस.टी.पी.आई. ने प्वाईन्ट-टू-प्वाईन्ट और प्वाईन्ट टू-मल्टीप्वाईन्ट माइक्रोवेव नेटवर्क का प्रयोग करते हुए अपना स्वयं का माइक्रोवेव नेटवर्क स्थापित किया है जो ग्राहकों की प्राथमिक आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। प्वाईन्ट-टू-प्वाईन्ट रेडियों नेटवर्क्स के समावेश से नेटवर्क और भी मजबूत हुआ है और 2 एम.बी.पी.एस., nxई1 लिंक प्रदान करने में समर्थ थी।

आई.एस.डी.एन. लाईन के प्रयोग से लीज्ड इन्टरनेट एक्सेस

एस.टी.पी.आई., आई.एस.डी.एन. के द्वारा भी ग्राहकों को इन्टरनेट सेवायें प्रदान करती है। यह सेवा अभी आई.एस.डी.एन.बी.आर. आई. के लिए उपलब्ध है और लीज्ड कनेक्शन 64 के.बी.पी.एस. या 128 के.बी.पी.एस. के लिए है। आई.एस.डी.एन. सेवाओं का प्रयोग कभी-कभी लीज्ड लाइन कनेक्टिविटी के बैकअप के रूप में भी होता है।

अन्य मूल्य संवर्धित सेवायें

आई.पी.एल.सी. और इंटरनेट सेवाओं के अतिरिक्त एस.टी.पी.आई. द्वारा एस.टी.पी. इकाइयों को प्रदान कुछ मूल्य संवर्धित सेवायें हैं - वेब होस्टिंग सेवायें, नेटवर्क कन्सल्टेन्सी, कोलोकेशन ऑफ सर्वर इत्यादि।

सहयोग सुविधायें

एस.टी.पी.आई. ने युवा उद्यमियों और एस.एम.ई. के हितों की रक्षा और उनके विकास के लिए प्रतिरक्षण सेवायें उपलब्ध करायी हैं। यह सुविधायें उन्हें प्लग एण्ड प्ले युक्त फौरन इस्तेमाल योग्य निर्मित स्थान उपलब्ध कराती हैं। एस.टी.पी.आई. ने देश भर में फैले अपने

उच्च गति डाटा कम्यूनिकेशन सेवायें

केन्द्रों के माध्यम से लगभग 3 लाख वर्ग फीट क्षेत्र में प्रतिरक्षण सेवायें उपलब्ध करायी हैं। प्रतिरक्षण सुविधाओं में कार्यस्थल, उच्च गति डाटाकॉम सुविधायें, बैकअप पावर इत्यादि शामिल हैं। एस.टी.पी.आई बिजनेस प्रोमोशन क्रिया के अन्तर्गत् सॉफ्टवेयर निर्यातकों को कन्सल्टेन्सी सेवायें भी प्रदान कर रहा हे। एस.टी.पी.आई ने अन्तर्राष्ट्रीय प्रदर्शिनियों और गोष्ठियों में साफ्टवेयर निर्यातकों के एक शिष्टमंडल का नेतृत्व किया है जिसने इन निर्यातकों को एक वैश्विक दृष्टि दी है।

आपदा क्षतिपूर्ति सेवायें

सेवा गुणवत्ता और एक ही स्थान पर समस्त सुविधाओं की बदौलत एस.टी.पी.आई. अपने ग्राहकों को **आपदा क्षतिपूर्ति सेवायें** प्रदान करता है। बेशकीमती डाटा किसी भी व्यवसाय की धुरी होता हैं। हर दिन कम्पनी नये डाटा, ई-मेल, विडियो फाइल्स इत्यादि अपने डाटा में शामिल करती है। किसी भी आपदा के प्रति सुरक्षार्थ उपायों के लिए डेटा बैकअप की बढ़ती आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, अधिकाधिक व्यवसायी और सूचना प्रौधोगिकी प्रबंधक जटिल आंकड़ो के प्रबंध के लिए बेहतर तरीकों का पता लगा रहे हैं । कम्पनियों के लिए सबसे आवश्यक होता है इस डाटा को किसी भी खतरे से बचाकर रखना क्योंकि ये व्यवसाय के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है।

बिजनेस डाटा सेन्टर का प्रचालन और प्रबन्धन अत्यंत खर्चीला है और यह उपकरणों की खरीद मूल्य से भी अधिक हो जाता है। प्रतिवर्ष यह खर्च बढ़ता ही जा रहा है ऐसी कम्पनियाँ भी जिनके पास इस कार्य हेतु पर्याप्त स्थान, बुनियादी सुविधाएं, धन और कर्मचारी नहीं है वे भी स्वयं की भंडारण सुविधाओं का निर्माण और रख-रखाव कर रही हैं। अमेरिका में 11 सितम्बर के हमलों और अन्य आपदाओं को ध्यान में रखते हुए कम्पनियाँ डाटा की सुरक्षा के प्रति बेहद सतर्क हैं और अपने डाटा बैकअप को दूसरे देशों में सुरक्षित रखने पर विचार कर रहीं हैं ताकि किसी अनहोनी का उनके व्यवसाय पर असर नहीं पड़े।

हमारे देश में डाटा से सम्बन्धित खतरे इसलिए ज्यादा हैं क्योंकि यहाँ अधिकतर चीजें व्यवस्थित नहीं है जैसे बिजली कटौती, डेटा भंडारण के प्रबंध के लिए आवश्यक तकनीकी जानकारी की कमी और डेटा संरक्षण और पुनः प्राप्ति के लिए आवश्यक भारी पूंजी निवेश हेतु धन की कमी। ज्यादातर सॉफ्टवेयर इकाइयाँ और एस.एम.ई अपने शुरूआती दौर में हैं इसलिए बिज़नेस कम्यूनिकेशन प्लान और रख-रखाव पर ज़्यादा धन व्यय करने की स्थिति में नहीं हैं। बाहर काम देने से सूचना प्रौद्योगिकी के खर्च काफी कम हो गये हैं जैसे कि सूचना प्रौद्योगिक विशेषज्ञों को नौकरी पर रखने और उन्हें संस्थान में बनाए रखने के व्यव समाप्त हो गए हैं। क्रमोन्नयन की लागतें कम हो गई है जिसको कम्पनी द्वारा प्रबंधन की चिंता के बजाए कम्पनी अपने ज़रूरी कामों पर ज़्यादा ध्यान दे सकती है और डाटा प्रबन्धन दूसरी कम्पनी को देकर दूसरे खर्चों पर अंकुश लगा सकती है।

भड़ारण सेवाओं से अनियोजित कार्य रूकावटों, सुरक्षा खामियों और अप्रत्याशित व्ययों से संरचना में सहायता मिलेगी। ज्यादातर सॉफ्टवेयर निर्यात कम्पनियाँ ग्राहकों को संचार प्रौद्योगिकी के जरिए सेवायें प्रदान करती हैं। सूचना प्रौद्योगिक पर कोई भी असर उनके लिए घाटे का सौदा हो सकता है इसलिए एस.टी.पी.आई इन कम्पनियों को आपदा प्रतिरक्षण सेवा कम कीमत पर ही उपलब्ध कराती है।

निश्चित बैकअप समय में, वर्तमान डाटा कम्यूनिकेशन ग्राहक अपनी बैकअप सेवा के लिए एस.टी.पी.आई की डी.आर साईट से लोकल लूप द्वारा अधिक दक्षता से जुड़ सकते हैं। इन्हीं लोकल लूप का इस्तेमाल किया जा सकता है या ग्राहक डाटा आकार के अनुसार अपने लोकल लूप बैण्डविड्थ का विस्तार कर सकते हैं।

चूंकि आज के परिदृश्य में यह समय की मांग है और बहुत सी सॉफ्टवेयर कम्पनियाँ आपदा क्षतिपूर्ति सेवाओं की इच्छुक हो सकती हैं इसलिए एस.टी.पी.आई. बंगलौर ने प्रायोगिक आधार पर यह परियोजना शुरू कर दी है और अपनी सेवाओं की पेशकश कर रही है।

एस.टी.पी.आई के नये केन्द्र

वर्ष 2002-03 के दौरान हाई स्पीड डाटा कम्यूनिकेशन सुविधा युक्त चार नये एस.टी.पी.आई केन्द्रों की स्थापना पांडिचेरी, नासिक, इलाहाबाद और कोल्हापुर में की गयी।

कन्सल्टेन्सी परियोजनायें

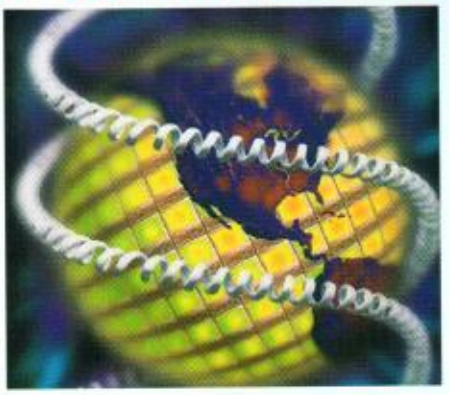

खजाने नेट

खजाने नेट एक अत्यंत महत्वाकांक्षी परियोजना है जिसका उद्देश्य कर्नाटक सरकार के सभी खजानों को आपस में जोड़ना है। पहले ये खजाने वी.एस.ए.टी. (वेरी स्मॉल अपरचर टर्मिनल्स) के प्रयोग द्वारा जुड़े हुए थे। यह नेटवर्क 215 दूरस्थ स्टेशनों को बंगलौर के खनीजा भवन स्थित एक केन्द्रीय हब से जोड़ेगा। वी.एस.ए.टी. आधारित सेटेलाईट नेटवर्क की संरचना डाटा और ध्वनि सेवाएँ प्रदान करने के लिए की गयी हैं।

नेटवर्क में सुरक्षित डाटा के महत्व को देखते हुए, एक आपदा क्षतिपूर्ति केन्द्र की योजना धारवाड़ में बनायी गयी है। आपदा क्षतिपूर्ति केन्द्र मुख्य केन्द्र से पारम्परिक डी.वी.बी./टी.डी.एम.ए. लिंक से जुड़ा है, साथ ही यह एक अलग 128 के.बी.पी.एस के एस.सी.पी.सी. लिंक से भी जुड़ा है। मांग की अधिकता को ध्यान में रखते हुए नेटवर्क में एस.सी.पी.सी. की संरचना की गयी है।

धारवाड़ ट्रेजरी मिरर सर्वर के साथ है जो कि बंगलौर के नेटवर्क मैनेजमेन्ट सेन्टर में स्थित मुख्य सर्वर से डाटा अद्यतन करता है।

भावी संभावना में वी.एस.ए.टी केन्द्र के अवस्थापन और चुनिंदा स्थानों पर दूरस्थ इकाइयों की अवस्थापन और उन्हें चालू करना भी शामिल है। अनुभवी कार्मिक सप्ताह के सातों दिन और दिन के चौबीस घंटे कार्य करने वाले अत्याधुनिक नेटवर्क ऑपरेशन सेन्टर से समस्त नेटवर्क का नियंत्रण करते हैं।

यूरोपस्टार

यूरोपस्टार टेलेपोर्ट सुविधा एस.टी.पी.आई., नेटवर्क ऑपरेशन सेन्टर बंगलौर में स्थित है जो सी.एस.एम.ई सुविधा (कम्युनिकेशन सिस्टम एण्ड मॉनिटरिंग इक्विपमेन्ट) के माध्यम से आई.एस.एन क्षेत्र (भारत/नेपाल/श्रीलंका) को कवर करने वाले डाऊनलिंक सिग्नल्स की निगरानी करता है।

एस.टी.पी.आई. ने सभी अपेक्षित ढांचागत सुविधायें जैसे स्थान, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और उपकरणों के लिए वातानुकूलक प्रदान की है।

यह आई.पी.एल.सी. सर्किट के माध्यम से तालोहाऊस, फ्रांस की सी. एस.एम.ई. सुविधा से जुड़ा है। सी.एस.एम.ई. व्यवस्था मल्टी हाई पावर बीम (कू-बैण्ड) जो आई.एस.एन. क्षेत्र पर केन्द्रित है, की निगरानी करने में सक्षम है और कू-बैण्ड यूरोपस्टार ट्रान्सपोन्डर्स के वाहकों की स्थिति पर रिपोर्ट तैयार करती है।

एस.टी.पी.आई. कर्मचारियों को सी.एस.एम.ई. उपकरणों का प्रशिक्षिण दिया गया है और वे सप्ताह के सातों दिन चौबीस घंटे प्रथम स्तर सहयोग प्रदान करते हैं तथा नियमित रख-रखाव जैसे कैलिबरेशन, परफॉर्मेन्स टेस्टिंग आदि कार्य भी करते हैं।

पैनामसैट

सी.एस.एम.ई. सुविधा (कम्युनिकेशन सिस्टम एण्ड मॉनिटरिंग इक्विपमेन्ट) में माध्यम से आई.ओ.आर. (हिन्द महासागर क्षेत्र) को कवर करने वाले डाउनलिंक सिग्नलस की निगरानी के लिए पैनामसैट टेलेपोर्ट सुविधा एस.टी.पी.आई. नेटवर्क ऑपरेशन सेन्टर बंगलोर में स्थित है। एस.टी.पी.आई. ने उपकरणों के उप-स्थान के लिए सभी आवश्यक ढांचागत सुविधायें जैसे स्थान, निर्बाध विद्युत और वातानुकूलक आदि उपलब्ध कराये हैं।

एस.टी.पी.आई. बंगलौर केन्द्र पैनामसैट पी.ए.एस-7 सैटेलाइट के लिए सी.एम.एस. सुविधा (कैरियर मॉनिटरिंग सिस्टम) की मदद कर रहा है जो इसके साथ ही हाल ही में प्रक्षेपित पी.ए.एस-10 सैटेलाइट, जिसके द्वारा हिन्द महासागर क्षेत्र कवर किया जा रहा है, की भी मदद कर रहा है। एस.टी.पी.आई. बंगलौर स्थित सी.एम. एस. प्रणाली के साथ भारत मल्टीपल हाई-पावर बीम (कू-बैण्ड) की निगरानी करने में और कू-बैण्ड पी.ए.एस. ट्रान्सपोन्डर्स के लिए कैरियर्स की स्थिति पर रिपोर्ट बनाने में सक्षम हो जायेगा। यह सेटअप इटली में स्थित फ्यूसिनो अर्थ स्टेशन के माध्यम से अटलांटा के पैस नॉक सेन्टर से जुड़ा है और उपग्रह सम्पर्क में दुगुनी वृद्धि हो रही है।

एस.टी.पी.आई. कर्मचारियों को सी.एस.एम.ई. उपकरणों का प्रशिक्षण

दिया गया है और वे सप्ताह के सातों दिन चौबीस घंटे प्रथम स्तर सहयोग प्रदान करते हैं तथा नियमित रख-रखाव जैसे कैलिबरेशन, परफॉरमेन्स टेस्टिंग आदि कार्य भी करते हैं।

आई.पी.स्टार

भारत में अपने व्यवसाय में वृद्धि करने के लिए और डी.वी.बी प्लेटफॉर्म पर मूल्य किफायती सेवायें प्रदान करने के लिए मेसर्स शिन सैटेलाइट 2004 की प्रथम तिमाही में आई.पी.स्टार सैटेलाइट के प्रक्षेपण की योजना बना रहा है। कम्पनी भारत में आई.पी.स्टार के संचालन के प्रबन्धन के लिए एक गेटवे हब स्थापित करने जा रही है और इसके प्रबन्धन के लिए एस.टी.पी.आई से सम्पर्क किया है क्योंकि उनकी सैटेलाइट संरचना और स्थिति के अनुसार दिल्ली/नोएडा एक उचित स्थान है। कम्पनी स्वविकसित तकनीकी का इस्तेमाल कर रही है जो कम कीमत पर अधिक बैण्डविड्थ उपलब्ध कराने में सक्षम है।

सेन्ट्रल हब के संचालन और प्रबन्धन, व्यावसायिक तौर पर गेटवे को आवश्यक स्थान और विद्युत उपलब्ध कराने के लिए मेसर्स शिन सैटेलाइट के साथ एक समझौता हुआ है। एस.टी.पी.आई. को इस परियोजना से यह लाभ है कि वह अपने ग्राहकों को मूल्य प्रभावी सेवायें प्रदान कर सकती है। आई.पी.स्टार तकनीक में, दूरस्थ स्थानों में जहां ज़मीनी लाईनों की स्थिति अच्छी नहीं है, एस.टी.पी.आई. सेवाओं के वितरण के लिए आई.पी.स्टार टर्मिनल का लास्ट माइल कनेक्टिविटी के रूप में प्रयोग किया जा सकता है।

विपणन एवं व्यवसाय वृद्धि

बंगलौर आई.टी.कॉम 2002

एशिया के सबसे बड़े सूचना प्रौद्योगिकी और दूरसंचार इवेन्ट - बंगलौर आई.टी.कॉम 2002, जो कि कर्नाटक सरकार ने सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इण्डिया की सहभागिता में आयोजित किया था, का उद्घाटन भारत के राष्ट्रपति महामहिम डॉ.ए.पी.जे अब्दुल कलाम ने किया।

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इण्डिया वर्ष 1998 से ही विभिन्न स्तरों पर बंगलौर आई.टी.कॉम में नियमित रूप से भाग ले रहा है। इस वर्ष, हम इस इवेन्ट के सह-प्रायोजक थे। भारत के राष्ट्रपति महामहिम डा.ए.पी.जे अब्दुल कलाम ने सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इण्डिया की सी.डी और विवरणिका का विमोचन किया।

इस इवेन्ट में 6 बड़ी गोष्ठियाँ भी आयोजित की गयीं जिसमें 950 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। एस.टी.पी.आई ने साइबर एक्सपो के सहयोग से इन सभी गोष्ठियों का समन्वय किया। इस वर्ष के इवेन्ट की एक और विशेषता रही टाई बैठक (टी.आई.ई.कॉन)

बंगलौर आई.टी.कॉम 2000

एस.टी.पी.आई. ने अपनी चार सदस्य इकाइयों के लिए 'एस.टी.पी. आई.' के नाम से 665 वर्ग मीटर (तैयार क्षेत्रफल) का एक सम्पूर्ण पैवेलियन लिया था। ऐसा करने के पीछे हमारा यह उद्देश्य था कि हमारी इकाइयों को प्रचुर संभावनायें उपलब्ध करायी जायें, विशेषतौर पर एस.एम.ई., ताकि वो आगे बढ़ सकें और आगंतुक व्यवसाय प्रतिनिधियों तथा आम आदमी के बीच अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रदर्शित कर सकें। हमारे पास विभिन्न आकार के 42 स्टॉल और 36 स्टॉल होल्डर थे।

बंगलौर आई.टी.कॉम के लिए इन्टरनेट : कॉर्पोरेट एक्सेस के सहयोग से बैसेस ग्राउण्ड पर भाग लेने वालों के इस्तेमाल के लिए 8 एम.बी.पी.एस. इंटरनेट की सुविधा का अवस्थापन।

स्टूडेन्ट इंटरनेट वर्ल्ड के लिए इंटरनेट : एस.टी.पी.आई ने स्टूडेन्ट इंटरनेट वर्ल्ड को इन्टरनेट की आपूर्ति के लिए कान्तीरावा इन्डोर स्टेडियम में एक अलग गेटवे की अवस्थापना की जहाँ 30,000 से अधिक छात्रों और शिक्षकों ने इसका लाभ उठाया। लोराल साइबर स्टार के सहयोग से पहले दिन 8 एम.बी.पी.एस और शेष अन्य दिनों में 4 एम.बी.पी.एस बैण्डविड्थ उपलब्ध कराया गया।

राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस, लखनऊ

अपने वर्तमान ढांचे की क्षमताओं और सेवाओं तथा लखनऊ में अपने नव स्थापित एस.टी.पी. केन्द्र को बढ़ावा देने के लिए एस.टी.पी.आई. ने लखनऊ में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया। यह एक सालाना कार्यक्रम है जिसका उद्घाटन भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने किया। एस.टी.पी.आई. के एक स्टॉल पर एस.टी.पी. बिजनेस डेवलेपमेन्ट टीम ने प्रतिभागियों और आम लोगों की जिज्ञासाओं का उत्तर दिया।

कन्वर्जेन्स इण्डिया, नई दिल्ली

कन्वर्जेन्स इण्डिया के तीन दिन के कार्यक्रम में प्रतिभागी प्रदर्शकों को इन्टरनेट उपलब्ध करा कर अपनी सेवाओं का प्रदर्शन किया। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए प्रगति मैदान में प्रदर्शनी स्थल पर 2 एम. बी. गेटवे अवस्थापित किया गया। वहाँ एक एस.टी.पी.आई. स्टॉल भी था जिसके माध्यम से प्रतिभागियों, आगंतुकों और संभावित ग्राहकों की जिज्ञासाओं का उत्तर दिया। प्रदर्शनी के दौरान, सूचनात्मक प्रस्तुतियाँ, पोस्टर, श्रव्य-दृश्य और विवरणिकाएँ एस.टी.पी. आई. के बारे में सूचना की स्रोत थीं। एस.टी.पी.आई. पैवेलियन को अद्वितीय डिज़ाइन का सर्वाधिक नव प्रवर्तन पुरस्कार दिया गया।

सुपरकॉम एशिया, नई दिल्ली

एस.टी.पी.आई. ने अपनी सेवाओं के प्रदर्शन के लिए दूरसंचार और डाटाकॉम कम्पनियों की तीन दिवसीय प्रदर्शनी 'सुपरकॉम एशिया' में भाग लिया। इसके लिए एक स्टॉल बनाया गया, जहाँ पोस्टरों, प्रस्तुतियों, विवरणिकाओं और आकर्षक श्रव्य-दृश्य के माध्यम से प्रतिभागियों, आगंतुकों और संभावित ग्राहकों की जिज्ञासा का उत्तर दिया गया।

टाई अप कॉलिंग 2002, कानपुर

इण्ड यूएस एन्टरप्रन्र्स एसोसिएशन के अनेक सदस्य भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर के भूतपूर्व छात्र हैं, जो एक वार्षिक बैठक के लिए आई.आई.टी कानपुर, उत्तर प्रदेश में एकत्रित हुए। टाई द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें एस.टी.पी.आई. ने कार्यक्रम प्रायोजक के रूप में भाग लिया और एक स्टॉल भी बनाया ताकि भूतपूर्व छात्रों के साथ परिचय किया जा सके और उन्हें एस.टी.पी.आई. तथा इसकी सेवाओं के बारे में बताया जा सके।

एस.टी.पी.आई. की अन्तर्राष्ट्रीय परियोजना

इबेनी साइबर सिटी की वर्तमान स्थिति

भारत सरकार और मॉरीशस सरकार ने 4 मई 2001 को साईबर सिटी परियोजना पर कार्य करने के लिए 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर के एक ऋण सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं जिसमें इबेने, मॉरीशस में इस परियोजना के लिए संचार नेटवर्क उपलब्ध कराना भी शामिल है। भारत सरकार के प्रतिनिधि के रूप में एस.टी.पी. आई. एक नोडल एजेन्सी के तौर पर और मॉरीशस सरकार की ओर से बिजनेस पार्क्स ऑफ मॉरीशस (बी.पी.एम.एल) इस परियोजना को लागू करेंगे।

मॉरीशस को एक साईबर लैण्ड में बदलने की दिशा में इबेने साइबर सिटी परियोजना मॉरीशस सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम है। यह ऐसी कम्पनियों के लिए एक ही स्थान पर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की सेवा है जो सूचना प्रौद्योगिकी आधारित सेवाओं, कॉल सेन्टर, बैक ऑफिस ऑपरेशन, बिजनेश प्रॉसेस आऊट सोर्सिंग, सॉफ्टवेयर डेवलपमेन्ट, इन्टेलिजेन्ट मैन्युफैक्चरिंग, सूचना प्रौद्योगिकी शिक्षा और सूचना प्रौद्योगिकी की आधारित शिक्षा जैसे व्यवसायों से जुड़ी हैं।

साइबर सिटी का मास्टर प्लान

- इबेने साइबर सिटी का मूल मंत्र है सामुहिक स्तर पर ज्ञान एवं तकनीकी का आदान-प्रदान, इसके सात परिक्षेत्र होंगे जहां सूचना प्रौद्योगिकी का ही बोलबाला होगा इस प्रकार से:
- मध्यम और छोटी आई.सी.टी. कम्पनियों के लिए साइबर सिटी और मल्टी मीडिया ज़ोन में अत्याधुनिक साइबर टावर होंगे, साथ ही उनके व्यवसाय को स्थापित करने के लिए स्टार्ट अप/इन्क्युबेटर भी होंगे-
- वृहद लीज्ड और पूर्णतया सेवा क्षेत्र में व्यवसाय स्थापित करने के लिए कम्पनियों को जानकारी केन्द्र से सुविधायें प्राप्त होंगी।
- हाइपर मार्केट और अन्य वाणिज्यिक आवश्यकताओं की पूर्ति वाणिज्यिक केन्द्र क्षेत्र में की जायेगी।
- प्रशासकीय खण्ड विभिन्न सरकारी विभागों और कार्यालयों को अन्यत्र स्थापित करने के लिए स्थान उपलब्ध कराकर पोर्ट लुइस में यातायात, पर्यावरण और शहरी भीड़-भाड़ की समस्या का समाधान करेगा। कार्य उत्पादकता में वृद्धि निश्चित रूप से एक लाभ है।
- साइबर सिटी के वातावरण के साथ साइबर विलेज कॉम्प्लेक्स रहने के लिए एक आधुनिक स्थान उपलब्ध कराता है।
- व्यवसाय आगंतुकों को उबड़-खाबड़ धरातल और नदी क्षिप्रिकायों के बजाए नज़दीकी आधुनिक होटलों में ठहरने का अवसर मिलेगा।

डाटा कम्युनिकेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर

- साइबर सिटी में आधुनिक और उच्चगुणवत्ता की ग्राहक सेवा उपलब्ध कराना।
- ग्राहकों को सैटेलाइट माध्यम और ऑप्टिक फाइबर माध्यम (सबमेरीन केबल) द्वारा कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने का निदान।
- साइबर सिटी के अन्दर वॉयस कम्युनिकेशन सुविधायें स्थापित करने के लिए उचित टेलिफोन एक्सचेन्ज की योजना बनाना और टेलिफोन एक्सचेन्ज तथा डाटाकॉम इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए एक समेकित योजना बनाना।

साइबर टाऊन के मुख्य भवन और स्वागत कक्ष का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है। अन्य ढांचागत कार्य जैसे सड़कें, नालियाँ, वॉयस एवं डाटा कम्युनिकेशन सुविधायें अभी निर्माणाधीन हैं। साइबर टावर का निर्माण कार्य 30 अप्रैल 2004 तक पूरा हो जायेगा।

लेखा विवरण

वित्तीय वर्ष 2002-03 के लिए अंकेक्षित लेखा विवरण परिशिष्ट-1 में अंकित है।

धन्यवाद ज्ञापन

परिषद् भारत सरकार के विभिन्न विभागों और मंत्रालयों, रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया, राज्य सरकारों, विदेशों में भारतीय दूतावासों, अन्तर्राष्ट्रीय बाहकों, हमारे बैंकर, एस.टी.पी.आई. इकाइयों के सदस्यों, सॉफ्टवेयर इण्डस्ट्री एसोसिएशनों और वैधानिक लेखाकारों को उनके सहयोग के लिए कृतज्ञतापूर्वक धन्यवाद देती है। परिषद अपनी सफलता के लिए एस.टी.पी.आई के कर्मचारियों को भी उनके अथक प्रयासों के लिए धन्यवाद देती है।

(अरुण शौरी)
चेयरमैन,
शासकीय परिषद्
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इण्डिया
और
संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

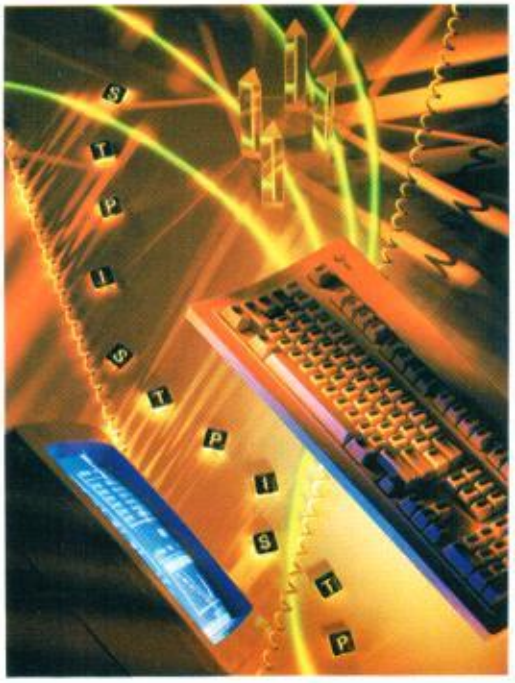
S
T
P
I
S
T
P
I
S
T
P

वार्षिक लेखा
2002-03 के लिए

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

608-609, रतन ज्योति बिल्डिंग, 18,
राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली-110 008
फोन: 51538765 (3 लाईनें); फैक्स: 011-25755833;
ई-मेल: dassgupta@rediffmail.com

दासगुप्ता एण्ड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउंटेन्ट्स

सेवा में
शासकीय परिषद
सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी ऑफ इण्डिया
नई दिल्ली

हमने सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी ऑफ इण्डिया की 31 मार्च 2003 तक की संलग्न बैलेन्स शीट और उक्त दिनांक को समाप्त वर्ष के लिए संयुक्त आय और व्यय खाते की लेखा परीक्षा की, जिसमें शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा परीक्षित केन्द्रों के खातों को भी सम्मिलित किया गया है। यह वित्तीय लेखा-जोखा पर अपने लेखा परीक्षण के आधार पर अपना विचार प्रकट करना है।

हमने भारत में सामान्यतः स्वीकार्य लेखा परीक्षण मानकों के अनुसार लेखा परीक्षण का कार्य निष्पादित किया है। इन मानकों में यह आवश्यक है कि हम लेखा परीक्षण को इस प्रकार नियाजित और क्रियान्वित करें कि इस बात का आश्वासन प्राप्त हो कि वित्तीय आंकड़े भौतिक मिथ्या-कथन से मुक्त हों। लेखा परीक्षण में वित्तीय लेखा-जोखा के परीक्षण और प्रकटीकरण सम्मिलित होते है। एक लेखा परीक्षण में प्रयुक्त लेखा सिद्धांतों के आकलन और प्रबन्धन द्वारा तैयार उल्लेखनीय आकलन सम्मिलित होते है; साथ ही इसमें समग्र वित्तीय लेखा-जोखा प्रदर्शन मूल्यांकन को एक मज़बूत आधार प्रदान करता है।

हमारी रिपोर्ट इस प्रकार है :

1) ए) अमेरिकी केन्द्र से सम्बन्धित सत्यापित प्रपत्रों की अनुपलब्धता के कारण लेखा पर इनके वित्तीय प्रभाव, यदि कोई हो, निश्चित नहीं हो सके।

बी) सोसायटी ने वर्ष 2001-2002 के दौरान वृद्धि आधार पर सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से रु 1.75 करोड़ का आवर्ती अनुदान स्वीकृत किया है, जो इसके अनुदान अभी तक प्राप्त नहीं हुए है और ऐसे पूंजीकोष और ऋण तथा अग्रिम के विषय में बढ़ाकर बताया गया है।

2) नोएडा केन्द्र के ऋण एवं अग्रिम में विदेश संचार निगम लिमिटेड से उगाही योग्य रु 4.56 करोड़ भी शामिल हैं जो 14.10.1998 को तैयार संधिपत्र में 10.20 करोड़ में सैटकॉम इण्डिया के प्रचालन के हस्तानन्तरण से सम्बधित हैं। इस राशि को विदेश संचार निगम लिमिटेड द्वारा इस आधार पर विवादित बनाया गया कि यह हस्तांतरित परिसम्पतियों के मूल्यह्रास और एम यू एक्स उपकरणों की अनापूर्ति के दृष्टिगत देय नहीं है। हमारे विचार से, इस राशि की प्राप्ति संदेहास्पद है। अतएव ऋण एवं अग्रिम को बढ़ाकर बताया गया है और घाटे को कम बताया गया है।

3) अचल सम्पत्तियों में उपकरण भी शामिल हैं जो पुराने हो चुके हैं और 31.03.2003 को प्रयोग में नहीं थे। ऐसे उपकरणों की वास्तविक कीमत और लिखित मूल्य 31.03.2002 को रु 9.74 करोड़ और 31.03.2002 को रु 30.41 लाख था। चूंकि पुराने घोषित किए गए उपकरणों की कीमत और लिखित मूल्य तथा 2002-03 के दौरान ऐसे उपकरणों पर प्राप्त मूल्यह्रास का सम्पूर्ण विवरण हमारे सत्यापन के लिए उपलब्ध नहीं है इसलिए इनके आनुषंगिक प्रभाव निश्चित नहीं किए जा सके।

4) आयकर विभाग ने एस.टी.पी.आई. से विदेशी कैरिअर्स को भुगतान में स्रोत पर कर की कटौती नहीं करने पर रु 1.77 करोड़ की मांग की है। ऐसे भुगतानों पर कर कटौती नहीं करने के सम्बन्ध में ली गयी कानूनी सलाह के अनुसार शाखा को आयकर जिम्मेदारी नहीं दी गयी है। केन्द्र ने आई.टी.ए.टी. के समक्ष लम्बित अपील के अंतर्गत मांग के विरुद्ध कुल रु 90 लाख का भुगतान किया है।

लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

5) तमिलनाडु सरकार ने जमीनी स्टेशन की स्थापना के लिए 30.04.1999 को शासनादेश संख्या 219 द्वारा तारामनी, चेन्नई में लीज़ आधार पर 1.50 एकड़ भूमि का आवंटन किया।

(ए) हमने वह सारी सूचानाएँ तथा व्याख्यायें प्राप्त कर ली हैं जो हमारी जानकारी तथा हमारे विश्वास के अनुसार लेखा परीक्षण के लिए आवश्यक है।

(बी) हमारे विचार से सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इण्डिया द्वारा लेखा खातों को वैसे ही उचित प्रकार से रखा गया जैसा कि कानून सम्मत है; यह बात हमारे लेखा खातों के परीक्षण के दौरान सामने आयी।

(सी) इस रिपोर्ट में ली गयी बैलंस शीट और व्यय खाता लेखा खातों की सहमति के साथ है।

(डी) हमारे विचार और प्राप्त सूचनाओं तथा हमें दी गयी व्याख्याओं के अनुसार उपरोक्त लेखा लेखा नीतियों "अनुसूची 15" और लेखा टिप्पणी "अनुसूची 16" को साथ पढ़ने पर एक ठीक और निरपेक्ष तस्वीर देती है।

(i) जैसा कि यह 31 मार्च 2003 को सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इण्डिया के बैलेन्स शीट की स्थिति से सम्बद्ध है

(ii) जैसा कि यह इस तिथि को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखा की हानि से सम्बन्धित है।

कृते दास गुप्ता एण्ड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउण्टेट्स

नरेश गोयल
(पार्टनर)

दिनांक: 06-10-2003
स्थान: नई दिल्ली

लेखा परीक्षक

भारत के महालेखाकार और लेखा नियंत्रक की संस्तुतियों के आधार पर शासकीय परिषद ने एस.टी.पी.आई के लिए कानूनी और शाखा लेखा परीक्षकों की नियुक्ति की है। इनकी सूची निम्नवत है।

कम्पनी का नाम	लेखा परीक्षक	क्षमता
कॉन्सोलिडेशन ऑफ एकाउण्ट्स एण्ड ऑडिट ऑफ नई दिल्ली (मुख्यालय), नोएडा, मोहाली, जयपुर, इन्दौर, और व्यवसाय सहायता केन्द्र	मैसर्स दास गुप्ता एण्ड एसोशिएट्स 608, रतन ज्योति बिल्डिंग 18, राजेन्द्र प्लेस, नई दिल्ली - 110008	सांविधक
बंगलोर, हैदराबाद और चेन्नई	मैसर्स शान्तामूर्ति एण्ड कम्पनी 10, प्रथम तल, एस.एस.टी. मड्ड ट्रस्ट बिल्डिंग, टैंक बन्द रोड ईस्ट पोस्ट बाक्स न० 9754 बंगलोर - 560009	शाखा
भुवनेश्वर	मैसर्स त्रिपाठी एण्ड नायक 278, शहीद नगर, भुवनेश्वर - 751007	शाखा
पुणे, नवी मुम्बई और गांधी नगर	मैसस पात्की एण्ड सोमन 639, सदाशिव पेठ, पुणे - 411030	शाखा
तिरूवनंतपुरम	मैसर्स रवि एण्ड सबीन न० 29, सुभाष नगर पेरुन्नथानी, तिरूवनंतपुरम - 6955008	शाखा

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
31 मार्च, 2003 को आय-व्यय विवरण

(धनराशि रुपयों में)

	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	विगत् वर्ष
मूलपूंजी और उत्तरदायित्व			
मूलपूंजी	1	990,212,490.00	859,016,430.00
सुरक्षित एवं अतिरिक्त	2	406,611,417.60	456,808,020.20
निर्दिष्ट एवं स्थायी पूंजी	3	123,516,495.00	83,922,871.00
असुरक्षित ऋण एवं उधार	4	132,242,000.00	125,242,000.00
वर्तमान उत्तरदायित्व और प्रावधान	5	681,239,316.75	609,033,888.94
योग		**2,333,821,719.35**	2,134,023,210.14
परिसम्पत्तियाँ			
स्थायी- परिसम्पत्तियाँ			
कुल ब्लॉक	6	1,901,291,947.88	1,781,308,746.73
घटा: आज तक अवमूल्यन		1,190,955,941.85	943,314,853.91
शुद्ध ब्लॉक		710,336,006.03	837,993,892.82
वर्तमान परिसम्पतियाँ, ऋण एवं अग्रिम	7	1,619,290,088.18	1,295,640,367.32
मिश्रत व्यय (जो हटाये या समायोजित नही किए गए हों)		4,195,625.14	388,950.00
योग		**2,333,821,719.35**	**2,134,023,210.14**

महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ 15
अनिश्चित उत्तरदायित्व और लेखा टिप्पणियाँ 16

सम दिवस की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
कृते दास गुप्ता एण्ड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउण्टेट्स

कृत सॉफ्टवेयर टेक्लोलॉजी पार्क्स ऑफ इण्डिया

नरेश गोयल	(एस.एन.जिन्दल)	(मानस आर. पटनायक)	(ए.के. कपूर)
(पार्टनर)	महानिदेशक	निदेशक	मुख्य वित्त अधिकारी

दिनांक: 06-10-2003
स्थान: नई दिल्ली

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
31 मार्च, 2003 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा

(धनराशि रुपयों में)

	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	विगत वर्ष
आय			
सेवाओं से आय	8	1,001,737,415.16	1,155,058,853.68
अनुदार/छूट	9	5,023,263.62	18,145,236.89
अर्जित ब्याज	10	74,616,344.73	79,691,795.12
अन्य व्यय	11	13,672,294.72	15,236,674.79
योग (ए)		**1,095,049,318.23**	**1,268,132,560.48**
व्यय			
डाटा लिंक व्यय		625,040,757.21	738,899,977.43
संस्थापन व्यय	12	83,428,359.85	74,778,411.77
अन्य प्रशासनिक व्यय	13	186,305,015.97	196,565,289.43
ऋणों पर ब्याज		1,440,823.00	1,764,006.00
योग (बी)		**896,214,956.03**	**1,012,007,684.63**
अवमूल्यन पूर्व लाभ (ए-बी)		198,834,362.20	256,124,875.85
घटा: वर्ष के लिए अवमूल्यन	6	250,827,433.98	239,075,913.35
पूर्व अवधि-समायोजन से		**(51,993,017.78)**	**17,048,962.50**
पहले शुद्ध लाभ/हानि			
घटा: पूर्व अवधि समायोजन	14	(1,529,988.00)	(19,803,817.44)
अधिक/कम शेष को आय-व्यय लेखा मे लाया गया		**(53,523,059,78)**	**(2,754,854.94)**

महत्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	15	
अनिश्चित उत्तरदायित्व और लेखा टिप्पणियाँ	16	

सम दिवस की हमारी रिपोर्ट के अनुसार
कृते दास गुप्ता एण्ड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउण्टेट्स

कृत सॉफ्टवेयर टेक्लोलॉजी पार्क्स ऑफ इण्डिया

नरेश गोयल	(एस.एन.जिन्दल)	(मानस आर. पटनायक)	(ए.के. कपूर)
(पार्टनर)	महानिदेशक	निदेशक	मुख्य वित्त अधिकारी

दिनांक: 06-10-2003
स्थान: नई दिल्ली

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
31 मार्च, 2003 को आय-व्यय विवरण का भाग बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची-1

मूलपूंजी

अनुदान सहयोग

(धनराशि रुपयों में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत् वर्ष
वर्ष के प्रारम्भ में शेष	859,016,430.00	720,706,430.00
जोड़: मूलपूंजी में अंशदान	131,196,060.00	138,310,000.00
वर्षान्त पर शेष	**990,212,490.00**	**859,016,430.00**

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
31 मार्च, 2003 को आय-व्यय विवरण का भाग बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची-2

सुरक्षित एवं अतिरिक्त

(धनराशि रुपयों में)

	विवरण		वर्तमान वर्ष	विगत् वर्ष
1. सुरक्षित पुंजी	विगत् लेखानुसार	25,016,004.00		
	वर्ष के दौरान वृद्धि	3,301,762.00		
	अधिक/कम	-	28,317,766.00	25,016,004.00
3. लाभ और हानि खाता	विगत लेखानुसार		431,792,016.20	444,253,743.30
	वर्ष के लिए अधिक/कम		(53,523,059.78)	(2,754,854.94)
	घटाः पूर्व वर्ष अवमूल्यन		24,695.18	(9,706,872.16)
योग			**406,611,417.60**	**456,808,020.20**

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

31 मार्च, 2003 को आय-व्यय विवरण का भाग बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची-3

निर्दिष्ट/स्थायी-कोष

(धनराशि रुपयों में)

विवरण	कोष अनुसार विघटन									
	कानपूर केन्द्र के लिए कोष	चेन्नई केन्द्र के लिए कोष	साइबर पार्क परियोजना के लिए कोष	राज्य सरकार परियोजना के लिए कोष	फाउण्ड्री कोष	निक्सी परियोजना कोष	सी.ई.आर.टी. परियोजना कोष	आर एण्ड डी परियोजना कोष	वर्तमान वर्ष	विगत् वर्ष
(ए) कोष का ओपनिंग बैलेंस	1,424,221.00	60,000,000.00	20,000,000.00	2,000,000.00	498,650.00	-	-	-	83,922,871,00	75,808,650.00
(बी) कोष में वृद्धि	-	-	-	-	-	35,000,000.00	7,000,000.00	4,896,000.00	46,896,000.00	30,000,000.00
(i) दान/अनुदान	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(ii) कोष में किए गए निवेश से आय	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
(iii) कोष लेखा में स्थानान्तरण	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग (ए+बी)	1,424,221,.00	60,000,000.00	20,000,000.00	2,000,000.00	498,650.00	35,000,000.00	7,000,000.00	4,896,000.00	130,818,871.00	105,808,650.00
सी) कोष के उद्देश्यों मे उपयोग/व्यय										
i) पूंजी व्यय									524,057.00	20,810,000.00
- स्थायी परिसम्पतियाँ	-	-	347,803.00	176,254.00	-	-	-	-	6,152,053.00	-
- अन्य	-	-	-	-	498,650.00	-	5,653,403.00	-		
योग	-	-	347,803.00	176,254.00	498,650.00	-	5,653,403.00	-	6,676,110.00	20,810.000.00
ii) राजस्व व्यय										
- वेतन व भत्ता इत्यादि	341,107.00	-	-	-	-	-	-	-	341,107.00	1,075,779.00
- किराया	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
- अन्य प्रशासनिक व्यय	285,159.00	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग	626,266.00	-	-	-	-	-	-	-	626,266.00	1,075,779.00
योग (सी)	626,266.00	-	347,803.00	176,254.00	498,650.00	-	5,653,403.00	-	7,302,376.00	21,885,779.00
वर्ष की समाप्ति पर										
शुद्ध शेष (ए+बी+सी)	797,955.00	60,000,000.00	19,652,197.00	1,823,746.00	-	35,000,000.00	1,346,597.00	4,896,000.00	123,516,495.00	83,922,871.00

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
31 मार्च, 2003 को आय-व्यय विवरण का भाग बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची-4

असुरक्षित ऋण एवं उधार

(धनराशि रुपयों में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत् वर्ष
1. राज्य सरकार		
(ए) तमिलनाडु सरकार	30,000,000.00	30,000,000.00
(बी) केरल सरकार	30,000,000.00	30,000,000.00
2. अन्य संस्थायें एवं एजेंसियाँ		
(ए) महाराष्ट्र औद्योगिक विकास कॉर्पोरेशन	50,000,000.00	40,000,000.00
(बी) नोएडा प्राधिकरण	12,000,000.00	15,000,000.00
(सी) इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ पंजाब	7,000,000.00	7,000,000.00
(डी) चंडीगढ़ प्रशासन से ऋण	3,242,000.00	3,242,000.00
योग	**132,242,000.00**	**125,242,000.00**

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
31 मार्च, 2003 को आय-व्यय विवरण का भाग बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची-5
वर्तमान उत्तरदायित्व और प्रावधान

(धनराशि रुपयों में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत् वर्ष
(ए) वर्तमान उत्तरदायित्व		
1. फुटकर ऋणदान		
ए) सेवाओं के लिए	194,379,929,51	165,778,072,43
बी) अन्य	5,893,253.69	17,352,596.88
2. अप्राप्त उत्तरदायित्व	63,033,400.40	74,198,284.86
3. परियोजना अग्रिम	180,962,948.02	152,836,877.03
4. अन्य वर्तमान उत्तरदायित्व	224,705,531.13	191,383,525,74
योग (ए)	668,975,062.75	601,549,356.94
(बी) प्रावधान		
1. अतिरिक्त परिलब्धियाँ	3,628,975.00	1,110,310.00
2. अवकाश नकदी भुगतान जमा	8,635,279.00	6,374,222.00
योग (बी)	12,264,254.00	7,484,532.00
योग (ए+बी)	681,239,316.75	609,033,888.94

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
31 मार्च, 2003 को आय-व्यय विवरण का भाग बनाने वाली अनुसूची
स्थायी सम्पति अनुसूची

अनुसूची-6

(धनराशि रुपयों में)

विवरण	कुल ब्लॉक				अवमूल्यन				शुद्ध ब्लॉक	
	01-04-2002 को	जमा	घटा	31-03-2003 को	01-04-2002 को	जमा	घटा	31-03-2003 को	31-03-2003 को	01-04-2002 को
(ए) स्थायी परिसम्पति										
1. भूमि										
(ए) फ्री होल्ड	3,025,604.00	201,751.00	-	3,227,355.00	-	-	-	-	3,227,355.00	3,025,604.00
(बी)लीज होल्ड	7,930,420,.00	288,401.00	-	8,218,821.00	-	-	-	-	8,218,821.00	7,930,420.00
2.भवन										
(ए) फ्री होल्ड	76,023,422.32	8,202,544.00	-	84,225,966.32	17,169,005.83	7,858,233.39	-	25,027,239.22	59,198,727.10	58,854,416.49
(बी)लीज होल्ड	29,644,851.04	2,017,521.32	-	31,662,372.36	11,771,368.82	2,510,608.03	-	14,281,976.85	17,380,395.51	17,873,482.22
(सी)अस्थायी ढ़ांचा	1,083,523.84	-	-	1,083,523.84	1,083,523.84	-	-	1,083,523.84	-	-
3. कम्प्यूटर इत्यादि	110,896,115.87	7,636,151,.41	1,002,271.25	117,529,996.03	60,226,476.99	14,387,739.93	10,030.77	74,604,186.15	42,925,809.88	50,669,638.88
4. विद्युत उपकरण एवं अवस्थापन	101,348,115.85	13,656,336.26	2,052,672.00	112,951,780.11	49,192,464.56	14,326,698.97	1,792,671.32	61,726,492.21	51,225,287.90	52,155,651.29
5. फर्नीचर एवं फिक्सचर	62,631,827.23	13,039,395.04	8,731.00	75,662,491.27	21,743,944.57	6,883,814.81	271.23	28,627,488.15	47,035,003.12	40,887,882.66
6. अग्निशमन यंत्र	1,570,227.98	173,006.00	-	1,743,233.98	703,123.13	203,043.30	-	906,166.43	837,067.55	867,104.85
7. कार्यालय उपकरण	33,286,479.93	5,318,491.39	48,372.00	38,556,599.32	17,503,136.26	5,042759.88	10,673.81	22,535,222.33	16,021,379.99	15,783,343.67
8. हाई स्पीड डाटा कम्युनिकेशन	1,303,879,709.30	73,497,322.91	13,530,278.73	1,363,846,753.48	762,502,580.61	199,252,735.15	1,369,947.33	960,385,368.43	403,461,385.05	541,377,128.69
9. हाई स्पीड डाटा कम्युनिकेशन गमन में	661,727.00	1,398,227.00	661,727.00	1,398,227.00	-	-	-	-	1,398,227.00	661,727.00
10. कम्प्यूटर इत्यादि गमन में	489,029.00	-	209,827.00	279,202.00	-	-	-	-	279,202.00	489,029.00
11. गाड़ियां	7,101.58	1,508.00	2,751.58	5,858.00	6,171.58	535.00	2,751.58	3,955.00	1,903.00	930.00
12. अन्य जमा परिसम्पति	2,048,057.34	513,183.40	-	2,561,240.74	1,413,057.72	361,265.52	-	1,774,323.24	786,917.50	634,999.62
वर्तमान वर्ष का योग	1,734,526,212.28	125,943,838.73	17,516,630.56	1,842,953,420.45	943,314,853.91	250,827,433.98	3,186,346.04	1,190,955,941.85	651,997,478.60	791,211,358.37
पूर्व वर्ष										
बी. मुख्य कार्य (प्रगति मे)	46,782,534.45	30,342,275.92	18,786,282.94	58,338,527.43	-	-	-	-	58,338,527.43	46,782,534.45
महायोग (ए+बी)	1,781,308,746.73	156,286,114.65	36,302,913.50	1,901,291,947.88	943,314,853.91	250,827,433.98	3,186,346.04	1,190,955,941.85	710,336,006.03	837,993,892.82

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
31 मार्च, 2003 को आय-व्यय विवरण का भाग बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची-7

वर्तमान परिसम्पतियाँ, श्रण एवं अग्रिम

(धनराशि रुपयों में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत् वर्ष
ए) वर्तमान पिरसम्पतियाँ		
1. सामान्य आरक्षित स्टोर/एसटीपीआई बुक	1,627,653.80	1,575,876.40
2. फुटकर देनदार		
(ए) छः माह से अधिक के बकाया ऋण	76,512,980.76	66,338,930.39
(बी) अन्य	67,237,029.11	69,436,958.79
घटा: अप्राप्य ऋण प्रावधान	(30,910,025.24)	(21,763,360.24)
3. हस्तगत शेष राशि	273,009.03	176,239.28
4. अनुसूचित बैंको में शेष राशि		
- चालू खाता में	184,033.38	696,985.54
- बचत खाता में	63,881,008.36	266,526,209.44
- सावधि जमा और मार्जिनमनी खाता में	1,034,990,816.77	721,795,813.00
- ई ई एफ सी खाता में	487,017.00	1,282,086.08
- हस्तगत चेक/मांत्रपत्र	-	1,486,093.00
5. सावधि जमा	-	2,695,000.00
6. हस्तगत स्टाम्प	58,510.60	65,525.95
7. ब्याज वृद्धि परन्तु बकाया नही	28,812,920.81	33,900,393.49
योग (ए)	1,243,154,954.38	1,144,212,751.12
(बी) ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसम्पत्तियाँ		
1. ऋण		
(ए) कर्मचारी	5,054,859.70	3,840,729.30
(बी) अन्य	132,882.75	5,544,331.00
2. नकदी एवं अन्य वस्तुओं के रुप में अग्रिम एवं अन्य रकम की प्राप्ति		
ए) पूंजी खाता पर	138,914,539.32	32,006,261.36
बी) पूर्व भुगतान	29,428,351.25	9,569,646.33
सी) जमा	7,376,523.88	7,657,191.00
डी) अन्य	175,545,146.59	86,020,285.73
3. स्रोत पर कर कटौती	96,090.00	3,154.00
4. अन्य	57,607.51	6,016,901.48
बीमा दावा	-	459,382.00
प्रतिभूति/अग्रिम	19,529,132.80	309,734.00
योग (बी)	376,135,133.80	151,427,616.20
योग (ए+बी)	1,619,290,088.18	1,295,640,367.32

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
31 मार्च, 2003 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का भाग बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची-8
सेवाओं से आय

(धनराशि रुपयों में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत् वर्ष
सॉफ्टप्वाइंट	340,130,387.00	497,397,521.76
सॉफ्टलिंक	388,372,613.00	368,421,884.50
कानूनी शुल्क	191,236,873.00	232,928,460.00
अन्य	71,743,140.41	50,971,026.27
कन्सल्टेन्सी/पर्यवेक्षण फीस-बी.पी.एम.एल	10,254,401.75	5,339,961.15
योग	1,001,737,415.16	1,155,058,853.68

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
31 मार्च, 2003 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का भाग बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची-9
अनुदान/छूट

(धनराशि रुपयों में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत् वर्ष
केन्द्र सरकार	5,023,263.62	18,145,236.89
राज्य सरकार	-	-
सहकारी एजेंसियाँ	-	-
संस्थाएँ/कल्याण समूह	-	-
अन्य (उल्लिखित)	-	-
योग	5,023,263.62	18,145,236.89

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
31 मार्च, 2003 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का भाग बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची-10

अर्जित ब्याज

(धनराशि रुपयों में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत् वर्ष
1. सावधि जमा पर		
ए) अनुसूचित बैंकों के साथ	72,371,236.38	65,613,179.69
बी) अन्य	-	-
2. बचत खातों पर		
ए) अनुसूचि बैंकों के साथ	2,103,651.35	13,938,126.43
बी) अन्य	-	-
3. अन्य		
ए) ईईएफसी खाता	-	-
बी) ऋण पर ब्याज	141,457.00	140,489.00
योग	**74,616,344.73**	**79,691,795.12**

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
31 मार्च, 2003 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का भाग बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची-11

अन्य आय

(धनराशि रुपयों में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत् वर्ष
प्रशिक्षण एवं गोष्ठी से आय	601,643.90	2,341,410.00
विदेश मुद्रा विनिमय लाभ	1,666,392.47	689,485.18
विभिन्न आय	9,391,373.01	9,426,470.57
सेवा शुल्क	562,500.00	50,525.00
फुटकर आकलन शेष वापस लिखे	384,216.34	1,415,766.04
किराया	1,066,169.00	1,313,018.00
योग	**13,672,294.72**	**15,236,674.79**

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

31 मार्च, 2003 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का भाग बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची-12

संस्थापन व्यय

(धनराशि रुपयों में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत् वर्ष
वेतन एवं भत्ते	66,141,123.85	56,724,731.70
कर्मचारी कल्याण	6,657,706.36	9,951,104.66
भविष्य निधि में नियोक्ता का अंश	2,787,273.00	2,119,528.00
टेलिफोन, समाचारपत्र आदि के लिए भुगतान	5,534,542.10	4,442,597.70
जी एस आई एस में नियोक्ता का अंशदान	230,811.00	187,015.00
कर्मचारी टर्मिनल लाभ	87,860.54	100,416.00
ग्रेच्युटी	1,988,973.00	618,348.00
इन्सेन्टिव	-	634,670.71
योग	83,428,359.85	74,778,411.77

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

31 मार्च, 2003 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का भाग बनाने वाली अनुसूची

अनुसूची-13

अन्य प्रशासनिकि खर्चे

(धनराशि रुपयों में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत् वर्ष
विज्ञापन एवं प्रचार	3,530,980.75	3,641,190.00
लेखा परीक्षण शुल्क	362,250.00	279,350.00
बैंक शुल्क	494,748.62	829,909.81
व्यवसाय विकास व्यय	8,666,178.95	12,681,486.74
संचार लागत	13,380,262.43	19,049,683.58
कम्प्यूटर प्रचार व्यय	1,063,492.00	1,523,621.00
उपभोग योग्य स्टोर	6,073,025.01	8,100,097.49
विदेशी मुद्रा विनियम व्यय	172,417.74	3,287,711.28
बागवानी और रखरखाव	1,326,536.00	2,947,056.90
बीमा	4,485,652.28	3,321,973.86
परिसम्पत्ति की बिक्री पर हानि	129,603.73	18,855.00
समाचार पत्र	630,052.88	398,049.36
अन्य खर्चे	7,484,639.41	10,616,884.69
प्रिंटिंग और स्टेशनरी	3,346,036.49	4,882,993.54
प्रोफेशनल शुल्क	10,772,599.51	8,256,353.21
सन्देहास्पद ऋण प्रावधान	6,905,774.80	5,642,754.50
भर्ती व्यय	26,636.00	1,630,027.25
किराया, दर और कर	24,279,239.50	26,523,476.30
रिपेयर एवं मेन्टेनेन्स	21,902,882.03	19,273,570.82
सुरक्षा किराया शुल्क	12,195,236.50	8,300,253.00
सेवा शुल्क	3,056,195.00	3,066,630.00
फुटकर शेष/विलम्बित शेष	1,135,592.65	259,799.00
प्रशिक्षण एवं गोष्ठी	3,824,157.65	3,437,752.85
ट्रैनिंग एवं आवागमन	9,321,130.62	12,632,429.38
मोटर प्रचालन एवं किराया शुल्क	11,368,161.21	12,965,080.88
पानी एवं बिजली शुल्क	30,371,534.21	22,998,298.99
योग	**186,305,015.97**	**196,565,289.43**

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया
अनुसूची जो 31 मार्च, 2003 को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा का अंश बनेंगे

अनुसूची-14

पूर्व अवधि समायोजन

(धनराशि रुपयों में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	विगत् वर्ष
पूर्व अवधि आय	8,176,071.13	10,464,474.49
पूर्व अवधि व्यय	9,706,059.13	30,268,291.93
योग	**(1,529,988.00)**	**(19,803,817.44)**

सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया

अनुसूची-15

महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ जो 31 मार्च,2003 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा अंश बनाती है

1. प्रस्तुतिकरण का आधार

(ए) वित्तीय लेखा जोखा लेखा वृद्धि आधारित ऐतिहासिक परिव्यय सभा के आधार पर तैयार किया गया है।

(बी) उपभोगयोग्य वस्तुओं की खरीद को व्यय के रुप में दर्शाया गया है इससे पृथक कि उनका उपयोग हुआ है या वो वर्षान्त में भण्डार में रखे है; जैसे कि समग्र प्रभाव भौतिक नहीं है।

(ट) तीव्र तकनीकी परिवर्त्तनों और अप्रचलन के दृष्टिगत इस कठिन वर्ष में सॉफ्टवेयर व्यय को निश्चित किया गया है।

(डी) उपभोक्ता स्थल पर रेडियो मास्ट के अवस्थापना की लागत को व्यय के मद में रखा गया है क्योंकि यह एक उपभोग योग्य वस्तु है और इसकी वसूली उपभोक्ताओं से की जा रही है। तथा तदनुसार सॉफ्टवाइन्ट/सॉफ्टलिंक आय में दर्ज किया जा रहा है।

(इ) पूर्व अवधि व्यय और पूर्व अवधि आय जो रु 500 से अधिक ना हों, वर्तमान वित्तीय वर्ष में सम्बध लेखा मदो में प्रत्यक्ष रुप से क्रेडिट/डेबिट किया गया।

2. स्थिर परिसम्पत्तियाँ और मूल्यहास

स्थिर परिसम्पतियाँ प्राप्ति या निर्माण की लागत पर बताई जाती हैं जिसमें परिसम्पतियों को कार्य योग्य बनाने हेतु सभी प्रत्यक्ष खर्च शामिल है। स्थिर परिसम्पतियों पर मूल्यहास स्ट्रेट लाईन विधि से निर्धारित दर पर निर्दिष्ट है।

3. आय हेतु लेखाखंडन

(ए) वार्षिक सेवा भार का बिल यूनिट की अपेक्षित निर्यात टर्नओवर और वास्तिविक निर्यात टर्न ओवर की उच्चतम दिशा में किया गया है। एस टी पी आई स्थान और आधारभूत सेवाओं जैसे जेनरेटर, फैक्स, फोटोकापी इत्यादि के लिए भी शुल्क लेता है।

(बी) अतिरिक्त राशि जो इकाइयों के अवमुक्त होने के समय केन्द्र के पास ही रहती है, वापस नहीं की जा रही है और इसकी अन्य आय के रूप में पहचान की जा रही है।

4. विदेशी मुद्रा व्यवहार

विदेशी मुद्रा व्यवहार उस दिन के विनियम दर पर दर्ज किया गया। तात्कालिक परिसम्पतियों और उत्तरदायित्वों जिनका लेखा वर्ष की समाप्ति पर निपटारा नही हुआ का वर्षान्त की दरों पर पुनर्मुल्यांकन किया गया और विनियम के अन्तर को वर्ष के आय या व्यय, जैसा भी हो, निश्चित किया गया।

5. अवकाश ग्रहण लाभ

मुख्यालय पर वास्तविक मूल्यांकन के आधार पर उपदान की व्यवस्था की गयी और इसे आय एवं व्यय लेखा पर चार्ज किया गया। भविष्य निधि में अंशदान, परिवारिक पेंशन फण्ड और अवकाश भुगतानों का उत्तरदायित्व सम्बद्ध केन्द्रों को सौपा जा रहा है जो 31.03.2001 को समाप्त वर्ष तक मुख्यालय में दर्ज होते थे। वैसे वर्ष के लिए लाभ इस स्तर तक तुलनीय नही है।

6. अनुदान

पूंजीरूप में प्राप्त सहायक अनुदान बैलेन्स शीट में उत्तरदायित्व के रूप मे चिन्हित है और राजस्व रुप में प्राप्त सहायक अनुदान आय और व्यय लेखा के माध्यम से है। सहायता अनुदान जब और जैसे प्राप्त होते है वैसे ही निश्चित किए जाते है।

अनुसूची-16

31 मार्च 2003 को समाप्त अवधि के लिए संलग्न की जाने वाली और लेखा का अंश बनने वाली टिप्पणियाँ ।

1. वर्तमान परिसम्पत्तियाँ ऋण एवं अग्रिम शीर्षक के अन्तर्गत् फुटकर कर्जदार, ऋण और अग्रिम तथा वर्तमान उत्तरदायित्व शीर्षक के अन्तर्गत् फुटकर ऋणदाता, अग्रिम/जमा प्रमाणीकरण के अधीन हैं ।

2. आयकर का प्रावधान नहीं बनाया गया है क्योंकि सोसायटी का पंजीकरण आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 12ए के अधीन किया गया है और इसकी आय आयकर से मुक्त है ।

3. वर्ष 2002-03 के लिए स्थायी परिसम्पत्ति जिसका मूल्य रु 498,546,345.81 (पूर्व वर्ष रु 574,411,163/-) है सीमा शुल्क विभाग के पास बंधक है ।

4. सोसायटी के पक्ष में किए गए एल.सी और बैंक गारन्टी के विरूद्ध बैंक में रु 86,856,451.00 (पूर्व वर्ष रु 133,084,414/-) का सावधि जमा है ।

5. मूल पूंजी पर अनुमानित कान्ट्रेक्ट राशि का वह कार्य जो अभी तक निष्पादित नहीं हुआ है, रु 3,472,979/- (पूर्व वर्ष रु 24,230,918/-) का है ।

6. एस.टी.पी.आई ने 23.07.2000 को जम्मू एण्ड कश्मीर राज्य औद्योगिक विकास निगम (जे. एण्ड के. सिडको) से, जिसका कार्यालय श्रीनगर में है और जो जम्मू एण्ड कश्मीर सरकार का एक उपक्रम है, एक समझौता किया है जिसके संदर्भ में 28.01.2002 को एक पत्र के द्वारा सिडको ने श्रीनगर में एस.टी.पी. की स्थापना के लिए रु 1.116 करोड़ के व्यय को मंजूरी दी जिसे बाद में संशोधित कर रु 1.107 किया गया । एस.टी.पी. आई ने विभिन्न पूंजीयों और राजस्व खर्च के लिए रु 93 लाख का प्रावधान किया है । शेष रु 17.70 लाख की रकम बकाया है ।

7. एस.टी.पी.आई ने आयकर अधिकारी (टी.डी.एस) बंगलोर से रु 1.77 करोड़ की मांग की नोटिस प्राप्त की है जो कि आयकर अधिनियम 1961 के धारा 201 (1) के अधीन है क्योंकि शाखा विदेशी कैरियर को स्पेश खण्ड के इस्तेमाल के लिए दिए गए भुगतान पर कर लेने में असफल रही थी । शाखा ने आयकर आयुक्त रेन्ज टीए बंगलोर के सम्मुख अपील दायर की । यह अपील 28.02.2002 के एक आदेश में निरस्त हो गयी । बहरहाल, शाखा ने आई.टी.ए.टी में पुनः अपील की है जिसकी सुनवाई होनी है । शाखा की यह अभिधारणा है कि ऐसे भुगतानों के स्रोत पर कर लेने की आवश्यकता नहीं है । अतः आयकर मांग को कोई प्रावधान नहीं बनाया गया है । शाखा ने अब तक विरोध स्वरूप रु 90 लाख जमा कराये हैं ।

8. अवस्थापन व्यय शीर्षक के अन्तर्गत् वित्तीय वर्ष 2000-01 के लिए भत्ते और बोनस के अतिरिक्त रु 2,829,242/- की तदर्थ प्रोत्साहन राशि शासकीय परिषद की स्वीकृति के अधीन है । अस्वीकृति की स्थिति में, यह कर्मचारियों से वापस लिया जायेगा ।

9. एस.टी.पी.आई ने कानपुर, देहरादून, लखनऊ, भिलाई, तिरूपति, मंगलोर, हुबली, जुबिली हिल्स हैदाराबाद, विजयवाड़ा और वारंगल में हाई स्पीड डाटा कम्युनिकेशन (एच.एस.डी.सी) की स्थापना की है । यह राज्य सरकारों द्वारा प्रदत्त भवनों एवं भूमि या उनके सहयोग से प्राप्त मामूली लीज अथवा मुफ्त की भूमि पर स्थापित है ।

10. अनिश्चित उत्तरदायित्व

(ए) एस.टी.पी.आई गाँधीनगर का गुजरात औद्योगिक विकास निगम के साथ लिखित अनुबंध के अभाव में अप्राधिकृत भूमि तथा जल शुल्क के विषय में दण्डात्मक विवाद है ।

(बी) कर्ज़ का दावा नहीं किया गया रु 26,30,988/- (पूर्व वर्ष रु 78,30,988/-)

(सी) एस.सी. और बकाया बैंक गारंटी के रूप में उत्तरदायित्व रु 46,619,726/- (पूर्व वर्ष रु 3,096,255/-)

11. वर्तमान वर्ष के आंकड़ो से तुलनीय बनाने हेतु विगत वर्ष के आंकड़ो का पुनः वर्गीकरण या पुनः समूहीकरण किया गया ।

अनुसूची 1 से 16 तक हस्ताक्षर

सम दिवस पर संलग्न हमारी रिपोर्ट के अनुसार ।

कृते दास गुप्ता एण्ड एसोसिएट्स
चार्टर्ड एकाउण्टेट्स

कृत सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इण्डिया

नरेश गोयल	(एस.एन.जिन्दल)	(मानस आर. पटनायक)	(ए.के. कपूर)
(पार्टनर)	महानिदेशक	निदेशक	मुख्य वित्त अधिकारी

दिनांकः 06-10-2003
स्थानः नई दिल्ली

वैधानिक लेखा परीक्षकों के निरीक्षण पर एस.टी.पी.आई. की टिप्पणी

वर्ष 2002-03 के लिए लेखा परीक्षकों द्वारा एस.टी.पी.आई. लेखा के निरीक्षण पर बिन्दुवार टिप्पणी।

	लेखा परीक्षकों का निरीक्षण	एस.टी.पी.आई. की टिप्पणी
क्रम. स. 1 (ए)	अमेरिकी केन्द्र से वास्तविक सत्यापित प्रपत्रों की अप्राप्ति का लेखा पर वित्तीय और गैर वित्तीय प्रभाव, यदि हो, निर्धारित नही किया जा सका।	अमेरिकी अन्तर्राष्ट्रीय राजस्व सेवा के प्रकाशन 583 के अनुसार अमेरिकी कानून में अमेरिकी अधिकारियों द्वारा निरीक्षण और परीक्षण के लिए वास्तविक प्रपत्रों को तीन वर्ष तक रखना आवश्यक है और इसे अमेरिकी केन्द्र से प्राप्त सत्यापित फोटोकॉपी लेखा परीक्षकों को उपलब्ध करायी गयी है । केन्द्र 1 जून 2002 से बन्द है।
क्रम. स. 1 (बी)	सोसायटी ने सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से अनुदान के रुप में वर्ष 2001-02 में रु 1.75 करोड़ स्वीकार किया है, जो कि इसकी लेखा नीतियों के अनुसार प्राप्ति आधार पर अनुदान के विरूद्ध है। यह अनुदान अभी तक प्राप्त नही हुआ है। और पूंजी कोष, ऋण ताकि अग्रिम में इसे बढाकर बताया गया है।	डी.आई.टी. से रु 1.75 करोड चुकाने का निवेदन किया गया है। बहरहाल, डी आई टी ने ऐसी इच्छा प्रकट की है कि मुद्दे को आगे बढ़ाने से पहले अमेरिकी लेखा रिपोर्ट और उस पर लिए गए कदमों से उसे अवगत कराया जाये। इस सम्बन्ध में, यह उदधृत किया गया है कि अमेरिका कार्यालय 1.6. 2002 से बन्द हो चुका है और एक सर्टिफाइड पब्लिक एकाउन्टेन्ट कम्पनी (सीपीए) की नियुक्ति की गयी है कि वह कार्यालय के बन्द करने की कानूनी/अन्य औपचारिकतायें पूरी कर सके। यह कम्पनी अमेरिका कार्यालय के लेखा के निपटान पर अपनी अन्तिम रिपोर्ट भी पेश करेगी। इन औपचारिकताओं को पूरा करने में कुछ समय लग सकता है। जैसे ही टी पी ए की रिपोर्ट प्राप्त होगी तत्काल डी आई टी को भेज दी जायेगी।

	लेखा परीक्षकों का निरीक्षण	एस.टी.पी.आई. की टिप्पणी
क्रम. स. 2	नोएड केन्द्र के ऋण एवं अग्रिम में विदेश संचार लि. से प्राप्ति योग्य रु 4.56 करोड भी शामिल है। जो 14.10.1998 को हुए एक समझौते के अनुसार सैटकॉम इण्डिया के प्रचालन के लिए रु 10.2 करोड़ के अनुबंध का अंश है। इस राशि को विदेश संचार निगम लि. द्वारा अवमूल्यन एवं एम यू एक्स की उपकरण की अनापूर्ति के अभाव में विवादित बताया गया है। हमारे विचार से इस राशि की प्राप्ति संभव नही है अतएव ऋण एवं अग्रिम को बढ़ाकर और हानि को घटाकर बताया गया है।	वी एस एन एल के साथ बकाया निपटान को सरकारी स्तर पर किया जा रहा है। अवमूल्यन और उपकरणों की अनापूर्ति के सम्बन्ध में वी एस एन एल को स्पष्टीकरण दे दिया गया है। वी एस एन एल इस पर कार्यवाही कर रही है और ऐसी सूचना है कि वह शीघ्र ही इसका अन्तिम निपटारा कर देगी।
क्रम. स. 3	स्थायी परिसम्पतियों में 31.03.2002 को ऐसे उपकरण भी शामिल हैं जो पुराने हो चुके हैं और प्रयोग में नही है। 31.03.2002 को ऐसे उपकरणों की वास्तविक कीमत और लिखित कीमत रु 9.74 करोड और रु 30.41 लाख थी। 2002-03 के दौरान पुरोने घोषित किए गए ऐसे उपकरणों का वास्तविक मूल्य और लिखित मूल्य उपलब्ध नही है अतः इसके प्रभाव की गणना नही हो सकी।	उन उपकरणो की पहचान कर ली गयी है जो 31.03.2002 को पुराने पड़ चुके थे और प्रयोग में नही थे। वास्तविक और लिखित मूल्यों की पहचान केन्द्र द्वारा की जा रही है इस वित्तीय वर्ष 2003-04 में इनकी लोपन की क्रिया पूरी कर ली जायेगी।
क्रम. स. 4	एस.टी.पी.आई. को आयकर विभाग से विदेशी कैरियर को भुगतान पर स्रोत से कर नहीं काटने के सम्बन्ध में रु 177 करोड़ की मांग प्राप्त हुई है। ऐसे भुगतानों पर कर नही काटने के संदर्भ में लिए गए कानूनी सलाह के आधार पर शाखा को आयकर उत्तरदायित्व का प्रावधान नहीं है। केन्द्र ने आई टी ए टी के समक्ष विरोध के अन्तर्गत रु 90 लाख का भुगतान किया है।	चूंकि मामला इन्कम टैक्स एपिलेट ट्रिब्यूनल (आई. टी.ए.टी.) के समक्ष लम्बित है अतः आयकर भार का कोई प्रावधान नहीं बनाया गया आई टी ए टी मामले की सुनवाई कर इसका निपटारा करेगा।
क्रम. स. 5	तमिलनाडु सरकार ने 30.04.99 को शासनादेश संख्या 219 द्वारा तारामनी, चेन्नई में जमीनी स्टेशन की स्थापना के लिए लीज आधार पर 1.50 एकड भूमि का आवंटन किया है। सरकार ने लीज़ अवधि का निर्धारण नहीं किया है और न ही लीज़ किराये का जिक्र किया है। अतः लीज़ किराय के लिए कोई प्रावधान नहीं बनाया गया।	मैसर्स टिडको, चेन्नई द्वारा हमारी ज़मीन का संयुक्त रेखांकन किया गया है और विषय को तमिलनाडु सरकार के संज्ञान में लाया गया है ताकि लीज अवधि तथा किराये को निर्धारित किया जा सके।

एसटीपीआई मुख्यालय

भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सीजीओ कॉम्पलेक्स, लोदी रोड, नई दिल्ली -110 003
दूरभाष: 011-24362811/ 24363108/ 24363484 फैक्स: 011-24363436/ 24364336
ई-मेल:info@stpi.soft.net; यू आर एल: www.stpi.soft.net

एसटीपीआई शाखाएं।

इलाहाबाद
श्री ब्रीजेंद्रा
सॉफ्टवेयर टेक्नालॉजी पार्क ऑफ इण्डिया
मोतीलाल नेहरु रिजनल इजिनीयर कॉलेज,
इलाहबाद - 2110044, मोबाइल: 9839032629

औरंगाबाद
श्री संदीप वड़गे
प्रभारी अधिकारी
ई-मेल: sandip@stpp.soft.net
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
प्लाट टी-25, एम.आई.डी.सी., चिकलथाना,
गरवाड़ा स्टेडियम के सामने, औरंगाबाद - 431 210
दूरभाष: 91-0240-2473859/ 60, फैक्स: 91-0240-2473859

बंगलौर
श्री बी.वी. नायडू
निदेशक
ई-मेल: naidu@stpb.soft.net
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
ब्लॉक-3, के.एस.एस.आई.डी.सी परिसर, क्विनोइक्स इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी,
होसुर रोड, बंगलौर - 561 229
दूरभाष :91-80-8526115 (30 लाइनें) 80-8520959-963 (5 लाइनें)
91-80-8520444 (सीधा) 91-80-8521158/67
91-80-8520633 (सीधा) फैक्स : 91-80-8520958/1161
यू आर एल: www.soft.net

भिलाई
श्री मुरूगंथन
उपनिदेशक
ई-मेल: murugs@stpn.soft.net
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
मंगल भवन, नेहरू नगर (पूर्व),
भिलाई, दुर्ग, छत्तिसगढ़ - 490 020
दूरभाष: 91-0788-5040330/ 330, फैक्स: 91-0788-5040660

भुवनेश्वर
श्री मानस रंजन पंडा
संयोजक निदेशक
ई-मेल: panda@stpbh.soft.net
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
प्रियदर्शिनी मार्केट, दूसरी मंजिल, सी.आर.पी.स्कावयर, न्यापल्ली, भुवनेश्वर - 751 012
दूरभाष: 91-0674-560260-61/ 269/ 270, फैक्स: 91-0674-560261,
ई/एसटीएन: 91-0674-560261

चेन्नई
श्री मति आर. राजलक्ष्मी
निदेशक
ई-मेल: rrl@stpc.soft.net
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
2/2, पहली मंजिल, सरदार पटेल रोड, कसतूरबा नगर, अदयार, चेन्नई - 600 020
दूरभाष: 91-044-24420128/ 24422611, फैक्स: 91-044-24422691
यू आर एल: www.stpc.soft.net

कोयम्बटूर
श्री पटलो थिम्मप्पा/ श्री पी.आर. बाबुई
प्रभारी अधिकारी
सेटालाईट अर्थ स्टेशन
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
के.जी. कैमपस # 365-366
थुरियालूर रोड, सरवनपत्ती, कोयम्बटूर - 641 035
दूरभाष: 91-0422-667644, 668374/ 73

देहरादून
श्री एस.एन. मौर्या
संयोजक निदेशक
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
विकास भवन, सर्वे चौक, देहरादून
दूरभाष: 91-0135-2713401/ 2710618

गाँधीनगर
श्री अजय शर्मा
निदेशक
ई-मेल: ajay@stpg.soft.net
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
ए/78/7, फ्लैटिड फैक्ट्री शेड, इलेक्ट्रॉनिक्स स्टेट, जीआईडीसी,
गाँधीनगर - 382 044
दूरभाष: 91-079-3235856/ 3231571, फैक्स: 91-079-3227207
यू आर एल: www.stpg.soft.net

गौहाटी
श्री पी.के. दास
निदेशक
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
बुर्जहाट, गौहाटी, असम - 781 015
दूरभाष: 0361-2841269/2841374, फैक्स: 0361-841374

हुबली
श्री रविन्द्र
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
एचडीएमसी, कमर्शल कॉम्पलैक्स,
इन्द्रा ग्लास हाऊस के सामने, हुबली - 580 029
दूरभाष: 91-0836-2257090/92/93, फैक्स: 91-0836-2257091

हैदराबाद
कर्नल विजय कुमार
निदेशक
ई-मेल: mvkumar@stph.soft.net
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
6 क्यू 3, 6 वीं मंजिल, साईबर टॉवर्स,
हाईटेक सिटी, मधापुर, हैदराबाद - 500 033
दूरभाष: 91-040-3100500, फैक्स: 91-040-3100501
ई/एसटीएन: 91-040-3546212/ 4068
यू आर एल: www.stph.soft.net

इंदौर
श्री रवि वर्मा
प्रभारी अधिकारी
ई-मेलः ravi@stpn.soft.net
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
ऑप्टेल एसटीपी बिल्डिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्पलैक्स,
प्रदेशी पुर-10, इंदौर
दूरभाषः 0731-5024440/ 5030880

जयपुर
श्री अजय प्रसाद श्रीवास्तव
संयोजक निदेशक एवं प्रभारी अधिकारी
ई-मेल : ajay@stpj.soft.net
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
201-202, गौरव टावर,
ब्ड़दिया शॉपिंग परिसर, मालवीय नगर,
जयपुर - 302 017
दूरभाषः 91-0141-2720063/ 65
फैक्सः 91-0141-2720065
यू आर एलः www.stpj.soft.net

कानपुर
श्री प्रवीन मिश्रा
प्रभारी अधिकारी
ई-मेलः praveen@stpn.soft.net
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
यूपीएसआईडीसी कॉम्पलैक्स, ए-1/4, लखनपुर,
कानपुर - 208 024
दूरभाषः 0512-2580176
फैक्सः 0512-2580176

कोलाहपुर
श्री हेमनाथ रावडे
आइ टी पार्क
आपोज़ीट जया प्रभात स्टूडीयो
कोलापुर
मोबाइलः 9822028339

कोलकाता
श्री एम.वी.जी.वी. कृष्णैया
प्रभारी अधिकारी
ई-मेलः krishna@stkol.soft.net
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
प्लाट नंबर- डीपी 5/1 सॉल्ट लेक, इलेक्ट्रानिक्स काम्पलैक्स, सेक्टर-5,
कोलकाता - 700 091
दूरभाषः 91-033-23673598/23673799
फैक्सः 91-033-23673597

लखनऊ
श्री प्रवीण मिश्रा
संयोजक निदेशक
ई-मेलः praveen@stpn.soft.net
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
एसटीपी कॉम्पलैक्स, निकट गोमती ब्रिज,
गोमती नगर, लखनऊ
दूरभाषः 0522-2397913
फैक्सः 0522-2397930

मदुरई
श्री एम. महेश
ई-मेलः mahesh@stpc.soft.net
सेटालाईट अर्थ स्टेशन
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
सी/ओ त्यागराजा महाविद्यालय अभियांत्रिकी
मदुरई - 625 015
दूरभाषः 91-0452-482294/ 482025

मणिपाल
श्री कुप्पुराज
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
टी.एम.ए.पी.ए.आई. तारामण्डल भवन,
महिला हॉस्टल के सामने, मणिपाल - 576 119
दूरभाषः 91-0820-2571917/ 2571916
फैक्सः 91-0820-2571917

मंगलौर
श्री जी.एल. प्रसाद
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
सर्वे नंबर-1291,ब्लूबेरी हिल, डेरेबेल,
मंगलौर - 575 008
दूरभाषः 91-0824-2212189/ 2212139
फैक्सः 91-0824-2216555

मोहाली
डॉ० संजय त्यागी
संयोजक निदेशक
ई-मेलः sanjay@stpm.soft.net
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
बी-99 एल टॉप, फेज-VIII, औद्योगिक क्षेत्र,
एस.ए.एस नगर, मोहाली (पंजाब) -160 059
दूरभाषः 91-0172-257061, 256829 (सीधा)
फैक्सः 91-0172-256498
यू आर एलः www.stpm.soft.net

मैसूर
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क मैसूर
एस.जे.सी.ई.- एस.टी.ई.पी. कैम्पस,
मनसा गंगोत्री, मैसूर - 570 006
दूरभाषः 91-0821-2412090/251517780/90
फैक्सः 91-0821-2412080

नासिक
श्री सचिन
आई टी - सॉफ्टवेयर टेक्नालॉजी पार्क ऑफ इण्डिया
आई टी - 1 आई टी पार्क
एडीशनल इन्डस्ट्रीयल एरिया, अम्बद, नासिक- 10
फोनः 0253-382835

नवी मुम्बई
श्री पी.वेणुगोपालन
निदेशक
ई-मेलः pvenugopal@stpmum.soft.net
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
अन्तर्राष्ट्रीय इंफोटेक पार्क, टॉवर 7,
6 वी मंजिल, वशी रेलवे स्टेशन परिसर,
वशी, नवी मुम्बई - 400 705
दूरभाषः 91-022-27812102/03/04
फैक्सः 91-022-27812034
ई/एस.टी.एन.: 91-022-7812408/2483
यू आर एलः www.stpmum.soft.net

नौएडा
डॉ० एस.के. अग्रवाल
निदेशक
ई-मेलः sunil@stpn.soft.net
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
ब्लॉक-IV, दूसरी मंजील, सेक्टर-29, गंगा शॉपिंग कॉम्पलैक्स,
नौएडा -201 303
दूरभाषः 91-120-2450400/421; 91-120-2450411 (10 लाईन)
फैक्सः 91-120-2450404/05 यू आर एलः www.stpn.soft.net

नागपुर
श्री निलेश बनसारी
प्रभारी अधिकारी
ई-मेल: nilesh@stpp.soft.net
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
ब्लॉक नं. 16, एम.आई.डी.सी. कॉम्पलैक्स,
सदर लिंक रोड, नागपुर - 441 001
दूरभाष: 91-712-2541145/ 2542565/ 2234960

पौनडीचेरी
श्री आर. रामकुमार
ई-मेल: तंउानउंत/जचबण्वजिण्दमज
सेटालाईट अर्थ स्टेशन
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
पौनडीचेरी इन्जिनियरिंग कॉलेज कैम्पस,
टेकनोपोलिस बिलडिंग-1, पिल्लाचावडी,
पौनडीचेरी - 605 014
दूरभाष: 91-0413-656317/18

पुणे
श्री एस.के. गुप्ता
निदेशक
ई-मेल: sushil@stpp.soft.net
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
प्लाट नंबर पी-1'इनफोटैक पार्क' हिंजावदी, पुणे - 411 027
दूरभाष: 91-020-2932644/45, फैक्स : 91-020-2932639
ई/एसटीएन: 9520&2932644@45
यू आर एल: www.stpp.soft.net

राऊरकेला
श्री सूर्या पटनायक
संयोजक निदेशक
ई-मेल: www.surya@stprkl.soft.net
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
इंडस्ट्रीयल म्युजियम, सैक्टर-5, राऊरकेला - 769002
दूरभाष: 91-0661-2643295/2643775
फैक्स: 91-0661-2643295
यू आर एल: www.stprkl.soft.net

शिमला
श्री मनजीत नायक
संयोजक निदेशक
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
कासरा नं. 93/1, कामना देवी मंदिर के पास,
बलोयुगंज, शिमला - 171 002
दूरभाष: 91-0177-2832679
फैक्स: 91-0177-2832680

श्रीनगर
श्री असीम खान
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क, शेड नंबर-6,
एस आई डी सी डी इलैक्ट्रानिक्स कॉम्पलैक्स, रंगरेथ, कश्मीर
दूरभाष: 0194- 23005201/ 2300381
फैक्स: 0194- 2300500

तिरुवनन्तपुरम
श्री के. रमेश कुमार
निदेशक
ई-मेल: ramesh@stpt.soft.net
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
पी बी नं. 5517, जे.बी. केन्द्र बेकरी जेएन, तिरुवनन्तपुरम - 695 034
दूरभाष: 0471- 321224/ 327371, फैक्स: 0471-330037
ई/एसटीएन: 91-0471-416003/4, यू आर एल: www.stpt.soft.net

तिरुनेवली
श्री अरूल सुरेश
ई-मेल: arul@stpc.soft.net
स्टेलाइट इन्स स्टेशन
सॉफ्टवेयर टेक्नालॉजी पार्क ऑफ इण्डिया
41-डी, वासाथपुरम साउथ स्ट्रीट,बयपास रोड़, तिरुनेवली - 627 005
फोन: 0431-501585/86, फैक्स: 0194- 2300500

त्रीचि
श्री एस. सेंथी कुमार
ई-मेल: senthil@stpc.soft.net
स्टेलाइट इन्स स्टेशन
सॉफ्टवेयर टेक्नालॉजी पार्क ऑफ इण्डिया
त्रीचि रिजनल इंजीनीयर कालेज - साईस एण्ड टेक्नालॉजी पार्क
त्रीचि - 620 015, फोन: 0431-501585/86

तिरुपति
श्री रंगा रेड्डी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
सर्वे सं. 234, महिला प्रंरगानाम के पीछे,
त्रिचुर रोड,
तिरुपति - 517 501
दूरभाष: 08772239626/ 2237155
यू आर एल: www.stpc.soft.net

विजयवाड़ा
श्री सिदियाह
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
गर्वनमेंट पॉलिटेकनिक कॉलेज कैम्पस,
रिंग रोड़, साई बाबा मंदिर के सामने
विजयवाड़ा शहर - 520 008
दूरभाष: 0886-24942/43

वाईजैग
श्री राम किशोर बाबू
प्रभारी अधिकारी
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
वीईपीजेड, एसडीएफ, युनिट नं-9,
दुवाड़ा रेलवे स्टेशन,
विशाखापट्टनम - 530 046
दूरभाष: 0891-257226
फैक्स: 0891-2766781

वारंगल
श्री किरन
भारतीय सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकी पार्क
रीज़नल इन्जिनियरिंग कॉलेज (आर.ई.सी.)
वारंगल - 506 004
दूरभाष: 91-8172-446944/958712-446944

Software Technology Parks of India